E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 18 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, शनिवार 01 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

अंकित शर्मा हत्याकांड : ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद, पूर्व पार्षद ने कहा- 'हाईकोर्ट से इंसाफ...'

नई दिल्ली। दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट ने शुक्रवार को 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में बड़ा फैसला सुनाते हुए पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। दूसरी तरफ, सजा के ऐलान के बाद कोर्ट से बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ताहिर हुसैन ने सिर्फ इतना ही कहा कि हाईकोर्ट से हमें इंसाफ मिलेगा। कोर्ट ने 13 जुलाई को इस मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को हत्या और अन्य गंभीर धाराओं में दोषी करार दिया था। सजा पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने सभी दोषियों के लिए मौत की सजा की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह मामला फरवरी 2020 का है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान आईबी के सुरक्षा सहायक अंकित शर्मा की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उनका शव चांदबाग इलाके में एक नाले से बरामद किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि अंकित के शरीर पर 40 से ज्यादा घाव थे।

इस मामले में कुल 11 आरोपी ट्रायल का सामना कर रहे थे। कोर्ट ने इनमें से छह आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। दोषी करार दिए गए पांच लोगों में आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन का नाम भी शामिल है। उनके अलावा नाजिम, जावेद, कासिम और अनस को भी दोषी माना गया।

कोर्ट ने सभी दोषियों को आईपीसी की धारा 302 यानी हत्या, 365 यानी अपहरण, 188, 153ए, 147, 148 और 149 के तहत दोषी ठहराया। हालांकि, कोर्ट ने आरोपियों को आपराधिक साजिश यानी धारा 120बी के आरोप से बरी कर दिया।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कहा कि अंकित शर्मा की हत्या पूर्व नियोजित साजिश के तहत की गई थी। दोषियों का मकसद दंगों के दौरान माहौल को और भड़काना था। दिल्ली पुलिस ने दलील दी कि समाज में ऐसा संदेश जाना चाहिए कि सरकारी अधिकारी की हत्या करने वालों को सबसे कठोर सजा मिलेगी। इसलिए पांचों दोषियों

को फांसी की सजा दी जाए।

बचाव पक्ष ने सजा कम करने की मांग करते हुए कहा कि सभी आरोपी परिवार वाले हैं और उनके पास आपराधिक इतिहास नहीं है। लेकिन कोर्ट ने इसे जघन्य अपराध मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि यह समाज को झकझोर देने वाली बहुत गंभीर घटना थी। अंकित शर्मा की बुरी तरह से हत्या की गई और उनकी बॉडी जानवर की तरह छोड़ दी गई थी। इस घटना ने समाज को सोचने पर मजबूर किया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में न्यायिक प्रक्रिया का उद्देश्य केवल दोषियों को दंडित करना ही नहीं, बल्कि कानून के शासन में आमजन का विश्वास बनाए रखना भी है। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों के बयान, चिकित्सकीय रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजी प्रमाणों के आधार पर अपना निर्णय सुनाया। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि प्रत्येक आरोपी की भूमिका का अलग-अलग मूल्यांकन करने के बाद ही दोषसिद्धि और बरी किए जाने का निर्णय लिया गया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष ने अपने-अपने तर्क विस्तार से अदालत के समक्ष रखे।

उमर अब्दुल्ला और पायल के बीच आपसी सहमति से तलाक का फैसला, सुप्रीम कोर्ट ने दी मंजूरी

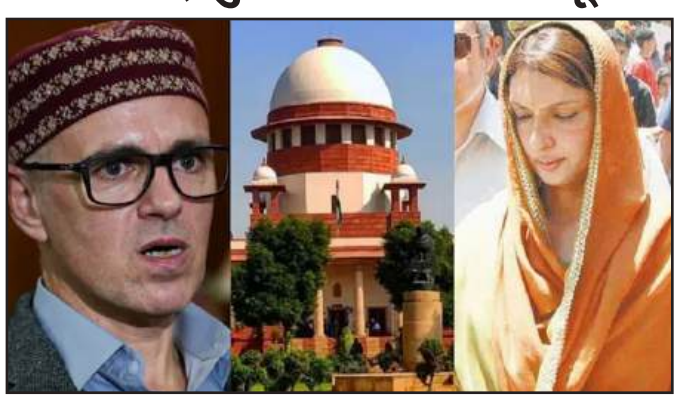

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी अलग रह रहीं पत्नी पायल ने आपसी सहमति से तलाक का फैसला किया है। शुक्रवार को उमर अब्दुल्ला के वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में यह जानकारी दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने उमर अब्दुल्ला के वकील कपिल सिब्बल ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सभी विवाद आपसी सहमति से सुलझा लिए गए हैं।

उन्होंने कहा, 'सब कुछ तय हो चुका है और हमने कोर्ट के सामने इसके लिए अर्जी दाखिल कर दी है। कोर्ट इसको मंजूरी दे सकता है।' कपिल सिब्बल ने बताया कि उमर अब्दुल्ला ने तलाक की याचिका में कहा है कि पायल के साथ उनकी शादी पूरी तरह से टूट चुकी है और अब उसे बचाया नहीं जा सकता। इस बात पर बेंच ने कहा कि हम तय शर्तों के आधार पर इस मामले को निस्तारित कर देंगे।

उमर अब्दुल्ला और पायल की शादी सितंबर 1994 में हुई थी, लेकिन वे लंबे समय से अलग रह रहे हैं।

उमर की तलाक की याचिका को सबसे पहले 30 अगस्त 2016 को फैमिली कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद उमर दिल्ली हाईकोर्ट गए। हालांकि, हाईकोर्ट ने भी तलाक की अर्जी खारिज कर दी। हाईकोर्ट फैमिली कोर्ट के आदेश से सहमत था कि उमर अब्दुल्ला की ओर से पायल के खिलाफ क्रूरता के आरोप अस्पष्ट हैं।

आज मेरा रोल कैमरे के सामने हाजिरी लगाने का नहीं, सिस्टम को ठीक करना है: राघव चड्ढा

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026 पर बोलते हुए कहा कि अब उनका मकसद सिर्फ सवाल उठाना नहीं, बल्कि सिस्टम को ठीक करना है। राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, जब मैं विपक्ष में था, तब सवाल मेरा हथियार था। आज मैं ट्रेजरी बेंच पर हूं, अब सॉल्यूशन मेरी जिम्मेदारी है। इसलिए मैंने खुद से वादा किया कि जब सिस्टम ठीक हो जाएगा तो मैं इस मुद्दे पर पार्लियामेंट में बोलूंगा, क्योंकि मुझे हेडलाइन नहीं, मुझे आउटकम चाहिए था। इससे पहले गुरुवार को राज्यसभा में चर्चा के दौरान राघव चड्ढा ने कहा, मैं अपने शुभचिंतकों से भी कुछ कहना चाहूंगा क्योंकि वे पूछ रहे थे कि आप नीट के मुद्दे पर कब बोलेंगे? मैं बहुत ही विनम्रता से कहना चाहता हूं कि जब मैं विपक्ष में बैठता था, तो सवाल मेरा हथियार था, आज मैं ट्रेजरी बेंच पर बैठता हूं तो सॉल्यूशन मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वह रोज कैमरे के सामने आकर बयान दे सकते थे, लेकिन उन्हें हेडलाइन नहीं आउटकम चाहिए। राघव चड्ढा ने सरकार द्वारा लाए गए नए परीक्षा बिल को देश के छात्रों के लिए जरूरी बताया।

गुजरात बाढ़ : सूरत में रेड अलर्ट जारी, लोगों से 24 घंटे घर के अंदर रहने की अपील

सूरत। गुजरात सरकार ने सूरत शहर और जिले के लोगों से अगले 24 घंटे घर के अंदर या दूसरी सुरक्षित जगहों पर रहने की अपील की है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इलाके में भारी से बहुत भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया है। अधिकारियों ने 24 घंटे मॉनिटरिंग शुरू कर दी है, कमजोर इलाकों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया है और डिजास्टर रिस्पॉन्स टीमों को तैयार रहने को कहा है। राज्य के स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रफुल्ल पंशेरिया ने शुक्रवार को सूरत जिला आपदा कंट्रोल रूम के दौरे के दौरान तैयारियों की समीक्षा की। उन्हें जिला कलेक्टर तेजस परमार ने मौजूदा मौसम की स्थिति, डिजास्टर कंट्रोल रूम के कामकाज और राहत व बचाव कार्यों की मॉनिटरिंग के बारे में जानकारी दी।

पंशेरिया ने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने भारी बारिश और तेज हवाओं के रेड अलर्ट के जवाब में सभी तैयारी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा कि 'सूरत डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है'। मंत्री ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि अगले 24 घंटों में 30 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलने और भारी बारिश होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'इस स्थिति में हर नागरिक की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। सभी लोगों से अपील करते हैं कि वे अगले 24 घंटों तक अपने घरों या दूसरी सुरक्षित जगहों से बिना वजह बाहर न निकलें और बढ़ते पानी को देखने के लिए खाड़ियों या नदी के किनारे जाने जैसी जोखिम भरी गतिविधियों से बचें।' सूरत के कलेक्टर ने सावधानी के तौर पर कपड़ा यूनिट, हीरा फैक्ट्रियों और इंडस्ट्रियल एसोसिएशन को छुट्टी घोषित करने का निर्देश दिया है। प्रशासन ने उन इलाकों से लोगों को हटाना भी शुरू कर दिया है, जहां पिछली भारी बारिश के दौरान बाढ़ आई थी।

सीएम भजनलाल शर्मा 1 एवं 2 अगस्त को रहेंगे उदयपुर और राजसमंद दौरे पर,राज्य स्तरीय वन महोत्सव का करेंगे शुभारंभ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 1 एवं 2 अगस्त को उदयपुर तथा राजसमंद जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री पर्यावरण संरक्षण, युवा जागरूकता, ग्रामीण विकास तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमजन से संवाद कर विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। मुख्यमंत्री चंदनवन में करेंगे पौधारोपण- मुख्यमंत्री 1 अगस्त को उदयपुर के दूध तलाई (पिछोला) में आयोजित राज्य स्तरीय वन महोत्सव शुभारंभ समारोह में भाग लेंगे। इस अवसर पर वे चंदनवन में पौधारोपण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री झाड़ोल क्षेत्र के बीड़ा गांव में ग्राम विकास चैपाल में भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मुख्यमंत्री द्वारा 9 ग्राम विकास चैपाल की जा चुकी हैं। चैपालों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं, विकास योजनाओं की प्रगति तथा जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। नारी शक्ति रैली को करेंगे फ्लैग ऑफ-

दौरे के दूसरे दिन 2 अगस्त को मुख्यमंत्री उदयपुर के राजस्थान कृषि महाविद्यालय, पहुंचेंगे। यहां वे नारी शक्ति रैली को फ्लैग ऑफ करेंगे। मुख्यमंत्री इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के शुभारंभ कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से शामिल होंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री राजसमंद में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में आधारभूत संरचना, नागरिक सुविधाओं तथा समग्र विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री इसके पश्चात उदयपुर पहुंचकर उदयपुर संभाग एवं सिरोही जिले के कलक्टर्स तथा पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे

को लेकर जिला प्रशासन ने सभी कार्यक्रम स्थलों पर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। संबंधित विभागों को आयोजन स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुरक्षा, यातायात, पेयजल, चिकित्सा, स्वच्छता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि सभी कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सकें। राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसे क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से विकास योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन करना तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान जनप्रतिनिधियों, स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त करेंगे तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी देंगे। इससे विकास कार्यों के क्रियान्वयन में तेजी लाने और प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत करने पर विशेष बल रहेगा।

शादीशुदा बेटियों को कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट से बाहर नहीं रखा जा सकता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि किसी शादीशुदा बेटी को 'कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट' पर विचार करने से सिर्फ इसलिए मना नहीं किया जा सकता, क्योंकि राज्य सरकार की पॉलिसी में ऐसी नियुक्तियां सिर्फ तलाकशुदा या पति द्वारा छोड़ी गई बेटियों के लिए ही हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसा वर्गीकरण असंवैधानिक है और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने सायरा खातून और उनकी बेटी की अपील को मंजूरी दे दी। उन्होंने यह अपील पटना हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ की थी, जिसमें पिता की मौत के बाद बेटी के 'कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट' के दावे को खारिज करने के फैसले को सही ठहराया गया था। अपील करने वालों ने बिहार सरकार की 10 दिसंबर, 2014 की पॉलिसी पर सवाल उठाया था, जिसके तहत सिर्फ तलाकशुदा या पति द्वारा छोड़ी गई बेटी ही 'कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट' के लिए योग्य मानी जाती है।

मैं न तो भाजपा हूं, न ही कांग्रेस, गीतांजलि अंगमो के सोशल मीडिया पोस्ट ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। संविधान की प्रस्तावना में 'सेक्युलर' शब्द के उल्लेख पर टिप्पणी के बाद पर्यावरण और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो का एक और सोशल मीडिया पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा है। गीतांजलि ने अपनी पोस्ट में कहा, मैं न तो भाजपा हूं, न ही कांग्रेस। न संघी, न कम्युनिस्ट। न वामपंथी, न दक्षिणपंथी। न समाजवादी, न पूंजीवादी। न उदारवादी, न रूढ़िवादी। न दलित, न ब्राह्मण। न जैन, न बौद्ध, न हिंदू, न पंजाबी, न ओडिया, न लद्दाखी। मैं ये सब हूं, और इनसे भी कहीं ज्यादा। इन सभी 'वादों' से परे। मैं हर चीज से सबसे अच्छी बातें अपनाती हूं और बाकी को छोड़ देती हूं। उन्होंने कहा कि जब हम अपने असीम स्वरूप को इंसानों की बनाई हुई श्रेणियों में सीमित करते हैं, तो हम खुद को ही कमतर कर लेते हैं। हमारी सबसे गहरी पहचान न तो राजनीतिक है, न सामाजिक, न धार्मिक और न ही वैचारिक। वह तो स्वयं चेतना है।

केंद्र का पेपर लीक कानून अधूरा, राजस्थान का कानून अपनाए सरकार : प्रताप सिंह खाचरियावास

जयपुर। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने पेपर लीक मामले और धर्मेंद्र प्रधान से जुड़े विवाद को लेकर भाजपा पर जुबानी हमला किया। उन्होंने केंद्र सरकार के नए पेपर लीक कानून को अधूरा बताते हुए कहा कि यदि सरकार वास्तव में परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाना चाहती थी, तो उसे राजस्थान में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए सख्त कानून से सीख लेनी चाहिए थी। प्रताप सिंह खाचरियावास ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि देश में जब भी लाठीचार्ज या गोलीबारी जैसी घटनाएं होती हैं, तो उसका सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। देश की आबादी में बड़ी संख्या हिंदुओं की है और ऐसी घटनाओं में प्रभावित होने वालों में भी अधिकांश हिंदू ही होते हैं। पैलेट गन से घायल होने वाले बच्चों में भी अधिकांश हिंदू परिवारों के बच्चे हैं। एक ओर भाजपा हिंदुत्व की राजनीति करती है। दूसरी ओर, आम हिंदू परिवारों को ही नुकसान उठाना पड़ रहा है। पेपर लीक कानून पर खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान पेपर लीक के खिलाफ बेहद सख्त कानून बनाया था। देशहित सर्वोपरि होना चाहिए, न कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा।

राजस्थान हाईकोर्ट ने 25 बेंच का किया गठन, तीन दिन जयपुर में रहेंगे सभी 39 जज

जयपुर। एक अनोखी प्रशासनिक व्यवस्था के तहत राजस्थान हाईकोर्ट के सभी 39 जज शुक्रवार को जोधपुर स्थित मुख्य पीठ और जयपुर बेंच से जुड़े मामलों की सुनवाई जयपुर से करेंगे। दिन की कार्यवाही के लिए हाईकोर्ट ने चार बड़ी बेंच, छह डिवीजन बेंच और पंद्रह सिंगल बेंच का गठन किया है। जोधपुर मुख्य पीठ से जुड़े मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए होगी। यह खास इंतजाम इसलिए किया गया है क्योंकि सभी जज शांति, मध्यस्थता और कानून के शासन पर शुक्रवार शाम से शुरू होने वाली एक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए अगले तीन दिनों तक जयपुर में रहेंगे।

राजस्थान स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी की ओर से आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में कॉमनवेल्थ देशों के जज, सीनियर वकील, मध्यस्थ, विद्वान और पॉलिसी बनाने वाले कई जाने-माने लोग शामिल होंगे। रोस्टर के तहत एक बड़ी बेंच, तीन डिवीजन बेंच और चार सिंगल बेंच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जोधपुर मुख्य पीठ से जुड़े मामलों की सुनवाई करेंगी। जयपुर बेंच में दायर मामलों

के लिए तीन बड़ी बेंच, तीन डिवीजन बेंच और 11 सिंगल बेंच बनाई गई हैं। इस व्यवस्था से यह सुनिश्चित होने की उम्मीद है कि सभी जजों के जयपुर में होने के बावजूद न्यायिक कामकाज बिना किसी रुकावट के चलता रहे। बड़ी बेंच कई महत्वपूर्ण कानूनी मुद्दों पर सुनवाई करेंगी, जिनमें क्या वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांगों से जुड़े मामलों की सुनवाई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, आचार्य धर्मेंद्र और अन्य द्वारा 1989 से लंबित याचिकाएं, जो राजस्थान हाईकोर्ट के जयपुर बेंच परिसर में मनु की मूर्ति लगाने से संबंधित हैं और पाक्सो एक्ट के तहत सजा काट रहे दोषियों और नाबालिगों के साथ रेप के दोषियों की ओपन जेल में ट्रांसफर के लिए पात्रता से जुड़े कानूनी मुद्दे शामिल हैं।

इनमें से कई मामलों में कानून के महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल हैं और उच्च पीठों के निर्णयों से आधिकारिक व्याख्याएं मिलने की उम्मीद है, जो भविष्य में इसी तरह के मामलों के निपटारे में मार्गदर्शन प्रदान कर सकती हैं। यह विशेष बैठक न्यायिक और प्रशासनिक दोनों दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उच्च न्यायालय को नियमित कार्यवाही जारी रखने में मदद मिलती है जबकि सभी न्यायाधीश जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

संपादकीय

विजया राहटकर और अच्युत सामंत को विद्यावाचस्पति की मानद उपाधियां प्रदान की गई

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को लोकभवन में महिला अधिकारों महिला सुरक्षा और उनकी सुरक्षा के लिए तीन दशक से अधिक के महत्वपूर्ण योगदान के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विदुषी और चिंतक विजया राहटकर और नब्बे हजार से अधिक आदिवासी बच्चों की शिक्षा और समाज सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए प्रख्यात शिक्षाविद, पूर्व सांसद अच्युत सामंत को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की विद्या वाचस्पति उपाधि से सम्मानित किया। बागडे ने इस अवसर पर विजया राहटकर के नैतिकता से जुड़े सार्वजनिक जीवन और महिला सरोकारों के लिए किए कार्यों को मिशाल बताया। उन्होंने कहा कि तहसील, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के लिए निरंतर कार्य करने के साथ उनमें नेतृत्व के नैसर्गिक गुण हैं। उन्होंने शिक्षाविद, समाजसेवी अच्युत सामंत द्वारा आदिवासी क्षेत्र में किए कार्यों को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि साधारण परिवार से आने के बावजूद आदिवासी लोगों की उन्नति के लिए कार्य बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय की सम्मान से जुड़ी पहल की सराहना की।

राज्यपाल ने कहा कि उनके कार्यकाल के शुक्रवार को दो वर्ष हो पूर्ण हुए हैं। इन दो वर्षों में राजस्थान से बहुत प्यार मिला। इस वर्ष उनकी तीन प्राथमिकताएं है। यह प्राथमिकताएं हैं, राजस्थान को नशामुक्त और टीबी मुक्त किए जाने के साथ ही शिक्षा में राजस्थान को अग्रणी किया जाए। उन्होंने री नीट की परीक्षा में पूरे देश में राजस्थान के शानदार प्रदर्शन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा परीक्षा में राजस्थान का सफलता प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से काफी ऊपर, लगभग 69 प्रतिशत रहा है। यह प्रदेश की बहुत बड़ी उपलब्धि है। राज्यपाल ने महाराजा गंगासिंह जी द्वारा गंग नहर की स्थापना को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस नहर का अगले वर्ष शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। यह अवसर नहर पूजन का ही नहीं है बल्कि सिंचाई से हुई समृद्धि के बहाने जल संरक्षण की परंपराओं को अपनाने का है। उन्होंने राजस्थान में यमुना जल योजना के अलावा गुजरात से नर्मदा जल से गांव ढाणी तक पेयजल पहुंचाने के लिये मुख्यमंत्री जनलाल शर्मा द्वारा किए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगले माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक करोड़ लोगों को नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत सम्बोधित करेंगे। इसे सबको सुनना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने इस अवसर कहा कि जिन विभूतियों को उपाधियां दी गई है, उन्होंने अपना जीवन संघर्ष और साधना से बिताते हुए अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि माताएं अबला नहीं सबला हैं। उन्होंने विजया राहटकर और अच्युत सामंत के जीवन को प्रकाश पुंज बताते हुए उनसे सीख लेने का आह्वान किया। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि विशिष्ट विभूतियों को असाधारण योगदान के लिए सम्मानित करने के अंतर्गत विशेष दीक्षांत समारोह में मानद उपाधि प्रदान करने की पहल की गई है। विजया राहटकर और अच्युत सामंत ने अपने सम्मान के प्रति आभार जताया।

इस मौके पर मंत्री जोराराम, अविनाश गहलोत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और गणमान्यजन उपस्थित रहे। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों का सम्मान नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का माध्यम बनता है। महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, सामाजिक उत्थान और जनसेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्व समाज के लिए आदर्श स्थापित करते हैं। ऐसे सम्मान न केवल उनके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाते हैं, बल्कि सेवा और समर्पण की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। राज्यपाल ने अपने संबोधन में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, युवाओं में नैतिक मूल्यों के विकास तथा समाजोपयोगी शोध को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

शिक्षा निदेशक सीताराम जाट सेवानिवृत्त,ललित कुमार को दिया चार्ज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान के शिक्षा निदेशक सीताराम जाट शुक्रवार को सेवा निवृत्त हो गए।राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को आदेश जारी कर बीकानेर स्थित प्रारंभिक शिक्षा विभाग एवं पंचायती राज (प्रारंभिक शिक्षा) एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक सीताराम जाट शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। जाट के पास अतिरिक्त प्रभार के रूप में निदेशक माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर तथा समग्र शिक्षा अभियान (एसएमएसए) के अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक (वरिष्ठ) का दायित्व भी था। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद इन सभी पदों का अतिरिक्त कार्यभार ललित कुमार, आईएएस को सौंपा गया है।

अवैध सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, नाकाबंदी के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। चूरू जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे 'क्लीन स्वीप' अभियान के तहत सरदारशहर थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और मैगजीन सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर हथियार के स्रोत और उसके आपराधिक नेटवर्क की जांच की जा रही है। थानाधिकारी धीरेन्द्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में पुलिस टीम रामसीसर-भेड़वालिया जोहड़ के पास नाकाबंदी कर रही थी। नाकाबंदी के दौरान एक युवक पुलिस को देखकर भागने और छिपने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने उसे घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम पप्पूसिंह (22) पुत्र लक्ष्मणसिंह राजपूत, निवासी बायला, थाना सरदारशहर बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध .32 बोर की सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल मैगजीन सहित बरामद हुई। पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में सरदारशहर थाने में मामला आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने अवैध पिस्टल कहां से हासिल की, उसका इस्तेमाल किस वारदात में करने की योजना थी तथा उसके संपर्क किन-किन अपराधियों से हैं।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती-2024 के चयनित अभ्यर्थियों के पदस्थापन आदेश जारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती-2024 (गैर-अनुसूचित क्षेत्र) में अंतिम रूप से चयनित तथा प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग को आवंटित अभ्यर्थियों के पदस्थापन आदेश जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) बीकानेर ने जारी कर दिए हैं। चयनित अभ्यर्थियों की ऑनलाइन काउंसलिंग 28 से 30 जुलाई 2026 तक शाला दर्पण पोर्टल के माध्यम से करवाई गई थी। काउंसलिंग में दिए गए विकल्पों के आधार पर अभ्यर्थियों को बीकानेर जिले के विभिन्न विद्यालयों में सहायक कर्मचारी (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी) के रिक्त पदों पर पदस्थापित किया गया है। इन्हें राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतनमान) नियम, 2017 के अंतर्गत वेतन लेवल-02 में दो वर्ष के परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी (प्रोबेशनरी ट्रेनी) के रूप में नियुक्त किया गया है।

परिवीक्षा अवधि में नियमानुसार 12,600 रुपये प्रतिमाह फिक्स मानदेय देय होगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि परिवीक्षा अवधि के दौरान महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, शहरी क्षतिपूर्ति भत्ता, बोनस अथवा अन्य किसी प्रकार के भत्ते देय नहीं होंगे। हालांकि RGHS, सामान्य भविष्य निधि (2004) तथा राज्य बीमा आदि की कटौतियां नियमानुसार की जाएंगी। परिवीक्षा अवधि वार्षिक वेतन वृद्धि के लिए गणना योग्य नहीं मानी जाएगी तथा इस अवधि में केवल 15 दिन का आकस्मिक अवकाश देय होगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने संबंधित संस्था प्रधानों को निर्देश दिए हैं कि कार्यग्रहण कराने से पूर्व अभ्यर्थियों के मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आयु, आरक्षण, चरित्र प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच अनिवार्य रूप से कर ली जाए।

विशेष रूप से ओबीसी, एमबीसी और ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्रों की वैधता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कक्षा 9 से 12 में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 5 अगस्त तक होंगे प्रवेश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान बीकानेर ने प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 5 अगस्त 2026 तक प्रवेश ले सकेंगे। इस संबंध में निदेशालय की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि पूर्व में जारी निर्देशों के अनुसार कक्षा 9 से 12 में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई थी। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सुविधा तथा प्रवेश प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूर्ण कराने के उद्देश्य से यह अवधि बढ़ाकर 5 अगस्त 2026 कर दी गई है। आदेश सभी सम्भागीय संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला परियोजना समन्वयकों, ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों तथा पीईईओ एवं यूसीईईओ को भेजा गया है, ताकि संशोधित तिथि की जानकारी विद्यालय स्तर तक पहुँचाई जा सके। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के प्रवेश पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान किए जा सकेंगे।

स्टेट लेवल सीबीएससी टेबल टेनिस में बीबीएस के चन्द्रादित्य राठौड़ ने जीता सिल्वर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। श्रीगंगानगर में आयोजित स्टेट लेवल सीबीएससी क्लस्टर टेबल टेनिस प्रतियोगिता में बीकानेर बॉयज स्कूल (बीबीएस) के छात्र चन्द्रादित्य राठौड़ ने अंडर-14 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया और सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ ही चन्द्रादित्य का चयन आगामी सीबीएससी नेशनल टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए हो गया है। प्रतियोगिता के दौरान चन्द्रादित्य ने जयपुर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हर्ष सैनी को पराजित कर अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिचय दिया। चन्द्रादित्य बीकानेर बॉयज स्कूल में सातवीं कक्षा के विद्यार्थी हैं। उनकी इस सफलता पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। छात्र के कोच अविनाश राठौड़ ने कहा कि चन्द्रादित्य ने लगातार मेहनत और अनुशासित अभ्यास के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है। जिला टेबल टेनिस संघ के पदाधिकारियों ने भी चन्द्रादित्य को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल प्रेमियों ने इस उपलब्धि को बीकानेर के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि जिले के खिलाड़ी राज्य स्तर पर लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन ने भी चन्द्रादित्य की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित करने की घोषणा की है। चन्द्रादित्य की इस उपलब्धि को विद्यालय के साथ-साथ बीकानेर के खेल जगत के लिए भी प्रेरणादायी माना जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। आधुनिक खेल सुविधाएं, नियमित प्रशिक्षण और अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का सकारात्मक परिणाम खिलाड़ियों के प्रदर्शन में दिखाई दे रहा है। कोच अविनाश राठौड़ ने विश्वास जताया कि यदि चन्द्रादित्य इसी समर्पण और अनुशासन के साथ अभ्यास जारी रखते हैं तो वे राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रभावशाली प्रदर्शन करने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी की सफलता के पीछे नियमित अभ्यास, मानसिक दृढ़ता और प्रतियोगिताओं का अनुभव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तिरूवनंतपुरम उत्तर-श्रीगंगानगर रेलसेवा रेगुलेट रहेगी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। दक्षिणी रेलवे के पालक्काड़ मण्डल पर तकनीकी कार्य हेतु तिरूवनंतपुरम उत्तर-श्रीगंगानगर रेलसेवा रेगुलेट रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 16312, तिरूवनंतपुरम उत्तर-श्रीगंगानगर रेलसेवा जो दिनांक 08.08.26 को तिरूवनंतपुरम उत्तर से प्रस्थान करेगी वह दक्षिण रेलवे पर 40 मिनट तथा जो दिनांक 15.08.26 व 22.08.26 को तिरूवनंतपुरम उत्तर से प्रस्थान करेगी वह दक्षिण रेलवे पर 30 मिनट रेगुलेट रहेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के अनुसार यह तकनीकी कार्य रेल संरचना के रखरखाव और परिचालन सुरक्षा को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। ऐसे कार्यों के दौरान ट्रेनों का परिचालन नियंत्रित गति से किया जाता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा के साथ रेल सेवाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

बिलौठी के स्कूल में दो आधुनिक कक्षा-कक्षों का विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने किया लोकार्पण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। नगला बिलौठी के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में नवनिर्मित दो आधुनिक कक्षा-कक्षों का पूर्व मंत्री और भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने लोकार्पण कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को समर्पित किया। विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने गुरूओं और माता-पिता का सम्मान करें तथा अनुशासन में रहकर अध्ययन कर योग्य नागरिक बन कर देश के विकास में भागीदारी निभाऐं। उन्होंने कहा कि देश और समाज का भविष्य बच्चों कि शिक्षा पर निर्भर है। बच्चे संस्कारवान व शिक्षित होंगे तो देश प्रगति के पथ पर आगे बढेगा। विधायक डॉ. गर्ग ने भामाशाहों से भी आह्वान किया कि वे शिक्षा व विद्यालयों के लिए समय-समय पर सहयोग करें। उन्होंने शिक्षकों से भी अपील की कि वे मनोभाव के साथ बच्चों को

शिक्षित करें और उन्हें अनुशासन के साथ-साथ संस्कारवान बनाने में सहयोग प्रदान करें। इस दौरान विधायक डॉ. गर्ग ने बच्चों को एकांत में पढने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए लाइब्रेरी बनवाने की भी घोषणा की। इस मौके पर विधायक डॉ. गर्ग का विद्यालय परिवार एवं स्थानीय लोगों ने माला साफा व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। इस मौके पर प्रदीप अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल बबुआ, पंचायत समिति सेवर के सदस्य लक्ष्मण बिलौठी, सरपंच प्रतिनिधि लखन सिंह विद्यालय के प्राचार्य हेमंत गोयल, सुभाष दीपक, जगवीर सिंह, भगवान सिंह, गोविंदा, श्यामलाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय परिवार ने शिक्षा के क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों एवं भामाशाहों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि नए कक्षा-कक्षों के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा और बढ़ती छात्र संख्या के अनुरूप शिक्षण कार्य अधिक सुचारु रूप से संचालित किया जा सकेगा।

राज शाला संबलन मोबाइल एप्लीकेशन के अंतर्गत 'रात्रि विश्राम/भ्रमण' का नया विकल्प

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राज्य के सरकारी विद्यालयों में निरीक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने 'राज शाला संबलन' मोबाइल एप्लीकेशन के अंतर्गत 'रात्रि विश्राम/भ्रमण' का नया विकल्प शुरू करते हुए नवीनतम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत संभाग, जिला, ब्लॉक तथा पीईईओ/यूसीईईओ स्तर के अधिकारियों को प्रत्येक माह कम से कम चार सरकारी विद्यालयों में रात्रि विश्राम एवं निरीक्षण करना अनिवार्य होगा। जारी निर्देशों के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 में अधिकारी शाम 6 बजे से अगले दिन सुबह 6 बजे तक विद्यालय परिसर अथवा संबंधित क्षेत्र में रात्रि विश्राम करेंगे। इस दौरान विद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा ग्रामीणों से संवाद कर शिक्षा की गुणवत्ता, प्रशासनिक व्यवस्था, विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, भवन, पेयजल, शौचालय एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करेंगे। प्राप्त समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। रात्रि विश्राम के साथ संबंधित विद्यालय का नियमित निरीक्षण भी अनिवार्य रहेगा। नए प्रावधान के अनुसार राज शाला संबलन ऐप में रात्रि विश्राम का विकल्प शाम 6 बजे के बाद ही दिखाई देगा। निरीक्षण रिपोर्ट का सबमिट बटन अगले दिन सुबह 6 बजे, यानी 12 घंटे पूरे होने के बाद सक्रिय होगा, जिससे वास्तविक रात्रि विश्राम सुनिश्चित किया जा सके। विभाग ने यह भी निर्देश दिए हैं कि रात्रि विश्राम एवं विद्यालय निरीक्षण की प्रगति की नियमित समीक्षा संभाग, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप रात्रि विश्राम नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा अधिकारियों को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी), अभिभावकों और ग्रामीणों से संवाद कर शिक्षा से जुड़े स्थानीय मुद्दों की जानकारी लेने के निर्देश दिए गए हैं।

सरदारशहर बारिश के पानी को समझ बैठा स्विमिंग पूल! ताल मैदान में नशेड़ी का 4 घंटे तक हाई-वोल्टेज ड्रामा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। शहर में हुई बारिश के बाद ताल मैदान में भरे गंदे पानी के बीच एक युवक के नशे में धुत होकर किए गए हाई-वोल्टेज ड्रामे ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। करीब चार घंटे तक युवक गंदे पानी में कभी लेटता रहा, कभी तैरने की कोशिश करता रहा और कभी अपनी बाइक को भी पानी में उतार दिया। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और कई लोग उसका वीडियो बनाते रहे। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक नशे की हालत में ताल मैदान पहुंचा और बारिश से भरे गंदे पानी को मानो स्विमिंग पूल समझ बैठा। उसने पहले अपनी बाइक पानी में उतारी, फिर खुद पानी में लेट गया और तैराकी जैसी हरकतें करने लगा। आसपास मौजूद लोग उसे बाहर आने के लिए समझाते रहे, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था। करीब चार घंटे तक चले इस घटनाक्रम के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ लगी रही। कई लोगों ने मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिए, जिसके बाद यह मामला शहरभर में चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने प्रशासन से सार्वजनिक स्थानों पर नशे में हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा ऐसे मामलों पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

श्री ओम बन्ना मंदिर को भूमि आवंटन: धार्मिक पर्यटन को मिलेगी नई गति, हेरिटेज वॉक-वे भी बनेंगे

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान आस्था, संस्कृति और वीरता की पावन भूमि है तथा राज्य सरकार "विकास भी-विरासत भी" के मंत्र के साथ धार्मिक स्थलों और विरासत के संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि पाली जिले के चोटीला स्थित श्री ओम बन्ना मंदिर के विस्तार और सुव्यवस्थित विकास के लिए राज्य सरकार ने भूमि आवंटित की है, जिससे मंदिर परिसर का विकास होगा और धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित भूमि आवंटन के उपलक्ष्य में आभार समारोह को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र श्री ओम बन्ना मंदिर के विकास से प्रदेश में धार्मिक पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के बजट में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इसके तहत पुष्कर, खाटूश्यामजी, नाथद्वारा, केशोरायपाटन, डीग और चित्तौड़गढ़ में हेरिटेज वॉक-वे विकसित किए जाएंगे। साथ ही किराडू मंदिर समूह के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार तथा शेखावाटी की ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण का कार्य भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाली के श्री करूणामूर्ति धाम और ब्यावर के मकरमंडी माताजी मंदिर में भी विकास कार्य कराए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत एक लाख से अधिक श्रद्धालु अब तक तीर्थ यात्रा कर चुके हैं। इस वर्ष भी हजारों वरिष्ठ नागरिकों को हवाई मार्ग से नेपाल के पशुपतिनाथ तथा एसी ट्रेन से विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि देवस्थान विभाग की धर्मशालाओं की मरम्मत और जीर्णोद्धार के साथ खाली भूमि पर नई धर्मशालाओं के निर्माण एवं संचालन के लिए नई नीति बनाई जाएगी। प्रमुख धार्मिक पर्वों पर मंदिरों में विशेष साज-सज्जा और आरती कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पानी और बिजली की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर तेजी से काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सख्त निर्णयों से पेपर लीक पर रोक लगी है, युवाओं के लिए रिकॉर्ड भर्तियां और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि किसानों और पशुपालकों के हित में भी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम में विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत, श्री ओम बन्ना मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी, मारवाड़ राजपूत सभा के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का संरक्षण करते हुए उसे पर्यटन और स्थानीय विकास से जोड़ना है।

राजकाज पोर्टल के IPR मॉड्यूल प्रस्तुत करने की अवधि 15 अगस्त तक बढ़ाई

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य के समस्त राजसेवकों को विगत वर्षों के लंबित अचल संपत्ति विवरण (IPR) ऑनलाइन भरने का अंतिम अवसर दिया है। कार्मिक (क-1/गो.प्र.) विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार सभी लंबित IPR अब राजकाज पोर्टल के IPR मॉड्यूल पर 1 अगस्त 2026 से 15 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन प्रस्तुत किए जा सकेंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि राज्य के राजपत्रित अधिकारियों के लिए 1 जनवरी 2011 से तथा समस्त राजसेवकों के लिए 1 जनवरी 2021 से IPR ऑनलाइन भरना अनिवार्य किया गया था। यह व्यवस्था राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन बोर्डों, निगमों, स्वायत्तशासी संस्थाओं और उपक्रमों पर भी लागू है।

परिपत्र में कहा गया है कि IPR ऑनलाइन प्रस्तुत नहीं करने वाले कर्मचारियों को विजिलेंस क्लीयरेंस नहीं दी जाएगी। इन प्रावधानों को देखते हुए सरकार ने लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए यह अंतिम अवसर प्रदान किया है। साथ ही उनकी पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाएगा और आगामी वार्षिक वेतन वृद्धि भी स्वीकृत नहीं होगी। इन प्रावधानों को देखते हुए सरकार ने लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए यह अंतिम अवसर प्रदान किया है। ऑनलाइन IPR भरने में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आने पर कार्मिक विभाग के आईटी अधिकारियों से दूरभाष नंबर 0141-2922281, 0141-2921149, 0141-2921856 तथा 0141-2921304 पर संपर्क किया जा सकता है। विभाग ने IPR भरने की संक्षिप्त मार्गदर्शिका और आवश्यक लिंक भी परिपत्र के साथ उपलब्ध कराए हैं।

जल भराव के कारण डिब्रुगढ-लालगढ -डिब्रुगढ एक्सप्रेस रेलसेवा मार्ग परिवर्तित रहेगी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। पूर्वोत्तर रेलवे पर शिमलगुडी-सेलेंगहाट रेलखण्ड पर शिमलगुडी-नामति आलि स्टेशनों के मध्य शिमलगुडी यार्ड में जल भराव के कारण डिब्रुगढ-लालगढ -डिब्रुगढ एक्सप्रेस रेलसेवा मार्ग परिवर्तित रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 15909, डिब्रुगढ-लालगढ एक्सप्रेस रेलसेवा जो दिनांक 01, 02 , 03 व 04 अगस्त 2026 को डिब्रुगढ से प्रस्थान करेगी वह परिवर्तित मार्ग डिब्रुगढ-नॉर्थ लखीमपुर-रंगापाडा नार्थ-रंगिया होकर संचालित होगी। गाडी संख्या 15910, लालगढ-डिब्रुगढ रेलसेवा जो दिनांक 30, 31 जुलाई 2026 व 01 अगस्त 2026 को लालगढ से प्रस्थान करेगी वह परिवर्तित मार्ग रंगिया-रंगापाडा नार्थ-नॉर्थ लखीमपुर- डिब्रुगढ होकर संचालित होगी। रेलवे प्रशासन ने बताया कि शिमलगुड़ी यार्ड में जलभराव के कारण रेल परिचालन प्रभावित हुआ है। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित रेलसेवाओं को अस्थायी रूप से वैकल्पिक मार्ग से संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

एक अगस्त से प्रदेशभर में खरीफ 2083 डिजिटल क्रॉप सर्वे की शुरुआत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अजमेर। राजस्थान सरकार कृषि क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक अगस्त 2026 से प्रदेशभर में खरीफ 2083 (2026-27) डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रारम्भ करने जा रही है। यह सर्वे राज्य के 41 जिलों की 424 ऑनलाइन तहसीलों एवं 50,456 ऑनलाइन राजस्व ग्रामों में किया जाएगा। शुक्रवार को निबन्धक, राजस्व मण्डल महावीर प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के तहत एग्रीस्टेक-डिजिटल क्रॉप सर्वे के अंतर्गत फसल खरीफ सम्वत् 2083 की गिरदावरी के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण के साथ ही महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। वीसी में राज्य के समस्त जिलों के प्रभारी अधिकारी (भू.अभिलेख), समस्त तहसीलदार (भू.अ.), तकनीकी अधिकारी डीसीएस, कृषि आयुक्तालय के अधिकारी, सभी जिलों के रिसोर्स पर्सन, मास्टर्स ट्रेनर्स आदि उपस्थित रहे। निबंधक ने डिजिटल क्रॉप सर्वे में हर स्तर से अधिकाधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदारगण से कहा कि वे ऑनलाइन गिरदावरी कार्य की समय समय पर मॉनिटरिंग करें।

संसदीय कार्य मंत्री ने चाली में 54.50 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत चाली- सेवाला में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चाली में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में 54.50 लाख रुपये की लागत के 8 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। रीडिंग प्रमोशन कैम्पेन का शुभारंभ— पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में 'मिशन पढ़ो राजस्थान' के अंतर्गत रीडिंग प्रमोशन कैम्पेन का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा ढाई वर्षों में 1 लाख 78 हजार से अधिक पदों पर युवाओं को नियुक्ति दी जा चुकी हैं।

राजस्थान समान सिविल संहिता पर सुझाव जुटाने के निर्देश, स्कूलों में होगा व्यापक प्रचार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर, 31 जुलाई। राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तावित राजस्थान समान सिविल संहिता, 2026 के विधेयक के प्रारूप पर आमजन से सुझाव प्राप्त करने की प्रक्रिया को तेज करते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में निदेशालय की ओर से जारी पत्र में विद्यालय स्तर तक व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा गया है। निदेशालय ने बताया कि प्रशासनिक सुधार विभाग के आदेश दिनांक 6 मई 2026 के अनुसार राजस्थान समान सिविल संहिता, 2026 का प्रारूप तैयार करने हेतु न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्रीमती रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति की बैठक 23 जून 2026 को नई दिल्ली में आयोजित हुई थी, जिसमें संभाग स्तर पर जनसुनवाई आयोजित करने तथा आमजन से ऑनलाइन सुझाव प्राप्त करने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में राज्य सरकार ने https://ucc.rajasthan.gov.in वेब पोर्टल विकसित किया है, जिसके माध्यम से नागरिक अपने सुझाव दर्ज कर सकते हैं।

निदेशालय ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्राधिकार के समस्त प्रधानाचार्यों को पोर्टल और क्यूआर कोड का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहें। निर्देशों के अनुसार विद्यालयों के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अन्य विद्यालयी स्टाफ तथा अभिभावकों को पोर्टल की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे समान सिविल संहिता से संबंधित सुझाव ऑनलाइन भेज सकें। विद्यालयों में सूचना पट्ट, प्रार्थना सभा, अभिभावक बैठकों तथा अन्य माध्यमों से भी जागरूकता फैलाने पर जोर दिया गया है। शिक्षा विभाग का मानना है कि विद्यालय स्तर पर सूचना पहुंचने से अधिकाधिक अभिभावक और नागरिक इस महत्वपूर्ण विधायी प्रक्रिया में भागीदारी कर सकेंगे।

पुस्तकालयाध्यक्ष भर्ती-2026: राजस्थान में 432 चयनित अभ्यर्थियों को जिला आवंटन, 6 अगस्त को ऑनलाइन काउंसलिंग

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान बीकानेर ने पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III सीधी भर्ती-2026 में चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति एवं पदस्थापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। निदेशक सीताराम जाट द्वारा जारी आदेश के अनुसार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा अभिशंसित अभ्यर्थियों में से गैर अनुसूचित क्षेत्र के 384 तथा अनुसूचित क्षेत्र के 48 अभ्यर्थियों को जिला आवंटन किया गया है। भर्ती में माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए कुल 600 पद विज्ञापित थे, जिनमें गैर अनुसूचित क्षेत्र के 527 और अनुसूचित क्षेत्र के 73 पद शामिल हैं। चयन बोर्ड ने अंतिम रूप से 502 पात्र अभ्यर्थियों की अभिशंसा विभाग को भेजी थी। निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (मुख्यालय) को निर्देश दिए हैं कि वे शालादर्पण-एसएसपीएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन काउंसलिंग आयोजित कर नियुक्ति एवं पदस्थापन आदेश जारी करें। नियुक्ति आदेश जारी होने की तिथि से 21 दिन के भीतर कार्यग्रहण करना होगा।

यह रहेगा कार्यक्रम

3 अगस्त 2026: अस्थायी वरीयता सूची जारी कर आपत्तियां आमंत्रित करना।

4 अगस्त 2026: आपत्तियों का निस्तारण कर स्थायी वरीयता सूची जारी करना।

5 अगस्त 2026: जिलेवार रिक्त पदों का प्रदर्शन।

6 अगस्त 2026: सुबह 9:30 बजे से रात 11:59 बजे तक अभ्यर्थियों से विकल्प लॉक करवाना।

7 अगस्त 2026: काउंसलिंग परिणाम जारी कर पदस्थापन आदेश जारी करना।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि रिक्त पदों के प्रदर्शन में सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों को प्राथमिकता दी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर ही शहरी विद्यालयों के रिक्त पद प्रदर्शित किए जाएंगे। पदस्थापन केवल स्पष्ट रिक्त पदों पर ही किया जाएगा। काउंसलिंग में वरीयता निर्धारण के लिए विस्तृत श्रेणियां तय की गई हैं।

इनमें 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग अभ्यर्थी, विधवा, परित्यक्ता, अविवाहित एकल महिला, भूतपूर्व सैनिक, पति-पत्नी प्रकरण, शहीद परिवार के आश्रित, असाध्य रोग से प्रभावित परिवार वाले अभ्यर्थी, महिला अभ्यर्थी तथा अन्य अभ्यर्थी शामिल हैं। प्रत्येक श्रेणी में चयन बोर्ड की मेरिट के अनुसार क्रम निर्धारित किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतनमान) नियम-2017 के अनुसार वेतन लेवल-10 में दो वर्ष के प्रोबेशनर ट्रेनी के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

मजबूत फैसलों से हो रहा युवाओं और किसानों का कल्याण-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान शौर्य और पराक्रम की भूमि होने के साथ ही आस्था और विश्वास की पावन धरती है। यहां पग-पग पर आस्था धाम हैं तथा कई महापुरुषों ने अपने अलौकिक चमत्कारों से लोकहितकारी कार्य किए हैं। श्री ओम बन्ना के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था है। वे उन्हें सड़क दुर्घटनाओं से रक्षा करने तथा मनोकामनाओं को पूर्ण करने के लिए श्रद्धापूर्वक पूजते हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को श्री ओम बन्ना मंदिर के लिए भूमि आवंटन के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित आभार समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाली जिले के चोटीला में श्री ओम बन्ना मंदिर के विस्तार और सुव्यवस्थित विकास के लिए हमारी सरकार द्वारा भूमि आवंटित की गई है। इससे मंदिर परिसर का अच्छा विकास होगा और धार्मिक पर्यटन को भी गति मिलेगी।

सांचौर विधायक को जान से मारने की धमकी का आरोप, 2.43 करोड़ रुपये के लेन-देन को लेकर विवाद

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सांचौर। सांचौर से निर्दलीय विधायक जीवाराम चौधरी ने दो लोगों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए सांचौर थाने में मामला दर्ज कराया है। विवाद करोड़ों रुपये के कथित लेन-देन और कृषि भूमि से जुड़े मामले को लेकर सामने आया है। वहीं दूसरे पक्ष ने विधायक पर ही जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी रिपोर्ट में विधायक ने बताया कि वर्ष 2018 में पादरडी तेतरोल निवासी सुरेश चौधरी और दजाराम चौधरी ने माइक्रो स्टील के व्यापार के लिए उनसे 1 करोड़ 20 लाख रुपये उधार लिए थे। यह राशि एक वर्ष के लिए एक प्रतिशत मासिक ब्याज की दर से दी गई थी। विधायक के अनुसार, तय समय बीतने के बाद भी न तो मूलधन लौटाया गया और न ही ब्याज का भुगतान किया गया। इसके बाद आरोपियों ने बकाया राशि के बदले होथीगांव स्थित करीब 60 बीघा खातेदारी कृषि भूमि उनके नाम करने का प्रस्ताव रखा, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। बाद में समाज के चार लोगों की मौजूदगी में एक लिखित इकरारनामा तैयार किया गया, लेकिन न तो जमीन की रजिस्ट्री हुई और न ही रकम वापस की गई। रिपोर्ट में विधायक ने दावा किया है कि 1 जनवरी 2018 से 23 जुलाई 2026 तक मूलधन और ब्याज मिलाकर कुल 2 करोड़ 43 लाख 27 हजार 600 रुपये बकाया हो चुके हैं। उनका आरोप है कि रजिस्ट्री कराने का दबाव बनाने पर आरोपियों ने व्हाट्सएप कॉल पर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। दूसरी ओर, दजाराम चौधरी ने विधायक के सभी आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने करीब 25 वर्षों तक विधायक के साथ काम किया, लेकिन पिछले सात वर्षों से दोनों के बीच कोई लेन-देन या बातचीत नहीं है। दजाराम ने आरोप लगाया कि विधायक ने उनकी जमीन पर कब्जा कर रखा है और उन्हीं के खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस ने विधायक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा जैसी प्राथमिकता से चलेंगी स्कूल ईएलसी गतिविधियां, मतदाता जागरूकता पर शिक्षा विभाग सख्त

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राज्य में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान विद्यालयों के माध्यम से मतदाता जागरूकता और लोकतंत्र सुदृढ़ीकरण अभियान को गति देने के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान, जयपुर के पत्र के संदर्भ में जारी आदेश में कहा गया है कि ईसीआई स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत सभी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक राजकीय एवं निजी विद्यालयों में स्कूल मतदाता साक्षरता क्लब की गतिविधियां समयबद्ध और प्रभावी ढंग से संचालित की जाएं। निदेशक ने स्पष्ट किया कि स्कूल ईएलसी गतिविधियों का उद्देश्य भावी मतदाताओं में निर्वाचन साक्षरता, नैतिक मतदान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना है। इसके लिए निर्वाचन विभाग द्वारा निर्धारित एसओपी, एमओयू और दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शाला दर्पण मॉनिटरिंग रिपोर्ट के विश्लेषण में सामने आया है कि राजकीय विद्यालयों ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि निजी विद्यालयों में ईएलसी सुदृढ़ीकरण की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए संभागीय संयुक्त निदेशकों को जिलेवार और विद्यालयवार विशेष कार्ययोजना तैयार कर तुरंत अधीनस्थ अधिकारियों तक पहुंचाने को कहा गया है। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि अप्रैल, मई और जुलाई माह की ईएलसी गतिविधियों की प्रविष्टियां शालादर्पण पोर्टल पर अत्यंत कम दर्ज हुई हैं। इसलिए सभी विद्यालयों को मासिक गतिविधियों की ऑनलाइन प्रविष्टियां अनिवार्य रूप से अद्यतन करने से संबंधित सभी प्रामाणिक सूचनाएं पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, इंटरैक्टिव स्क्रीन और ऑडियो-वीडियो माध्यमों का अधिकतम उपयोग कर निर्वाचन साक्षरता वीडियो, स्टोरी स्क्रॉल्स और अन्य गतिविधियों को रोचक बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही विद्यालयों में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के उच्च गुणवत्ता वाले फोटो और लघु वीडियो शिक्षा विभाग तथा निर्वाचन विभाग के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करने को कहा गया है। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी ईएलसी गतिविधियां पूर्णतः गैर-राजनीतिक, निष्पक्ष और मर्यादित वातावरण में आयोजित हों। जिला कलेक्टर और उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में होने वाली मासिक जिला एवं ब्लॉक निष्पादक बैठकों में स्कूल ईएलसी की प्रगति को अनिवार्य एजेंडा बनाकर समीक्षा की जाएगी।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं पालनहार योजना की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार समाज के कमजोर, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ शिक्षा, पोषण एवं आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं पालनहार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के लगभग एक करोड़ परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं पालनहार योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्य सचिव ने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए राज्य के सभी पेंशनरों के आंकड़ों का समुचित विश्लेषण करने हेतु प्रभावी डेटा डैशबोर्ड विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित मॉनिटरिंग से योजनाओं का संचालन अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि पेंशन स्वीकृति एवं वितरण में आने वाली सभी प्रकार की बाधाओं को दूर किया जाएं। उन्होंने ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए।

मनोरंजन समाचार

सालों बाद TMKOC की 'बबीता जी' का छलका दर्द, बोलीं- 'औरतों के बिना अधूरा है शो'

टीवी पर सबसे ज्यादा देखा और पसंद किया जाने वाला शो 'तारक मेहता का उल्टा चशमा' अपनी बेहतरीन कास्ट और कॉमिक टाइमिंग के लिए जाना जाता है। लेकिन पिछले कुछ समय से इस शो को लेकर काफी विवादित खबरें भी आ रही हैं, जैसे शो से कई कलाकारों का बाहर होना और आए दिन मेकर्स पर उनके द्वारा लगाए गए आरोपों की चर्चा किया जाना। खैर, इस बार भी 'तारक मेहता का उल्टा चशमा' खबरों में छाया हुआ है, लेकिन इसके पीछे की वजह कोई नया एपिसोड या कलाकार नहीं, बल्कि शो में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता का हालिया इंटरव्यू है, जिसमें उन्होंने खुलकर बताया कि इंडस्ट्री में महिलाओं को किस तरह का भेदभाव झेलना पड़ता है। मुनमुन ने अपने नए इंटरव्यू में बातचीत करते हुए बताया कि टीवी इंडस्ट्री में महिलाओं को लेकर आज भी कई भेदभाव देखने को मिलते हैं और उन्हें वो क्रेडिट नहीं दिया जाता है, जिसकी वो हकदार होती हैं। इसी इंटरव्यू में उन्होंने और भी कई बातों का जिक्र किया। 'तारक मेहता का उल्टा चशमा' से घर-घर में फेमस होने वाली एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता (बबीता जी) ने इंटरव्यू में महिलाओं के लिए अपनी बात को रखते हुए कहा कि लंबे समय से चल रहे शो में महिलाओं के योगदान और उनके काम को वो पहचान आज भी नहीं मिली है, जो मिलनी चाहिए थी। उन्होंने आगे कहा कि शो में उनका किरदार एक अहम रोल प्ले करता है, लेकिन फिर भी आज तक उन्हें कोई क्रेडिट नहीं दिया गया। मुनमुन दत्ता ने आगे अपनी फीमेल को-स्टार्स की तारीफ करते हुए कहा कि उनके हुनर, कमिटमेंट और प्रोफेशनलिज्म की जितनी तारीफ की जाए कम है। वहीं इस बातचीत में एक्ट्रेस ने खुद को एक फेमिनिस्ट सपोर्टर बताते हुए कहा कि उन्होंने शो में बाकी महिलाओं को कभी भी कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखा।

'मैं लड़कियों का साथ देने वाली और पुरानी ख्यालों वाली इंसान हूं। मैं एक मजबूत फेमिनिस्ट हूं और मेरा मानना है कि अगर आगे बढ़ना है, तो साथ मिलकर काम करना होगा। मुझे यहां किसी से भी कोई भी इनसिक्योरिटी फील नहीं होती है।' उन्होंने आगे शो की कास्ट के पुराने और नए, दोनों तरह के मेंबर्स की तारीफ की और कहा कि सफलता में सभी का अहम योगदान होता है। आपको बता दें कि 28 जुलाई को शो के 18 साल पूरे हो जाएंगे। लेकिन 'तारक मेहता का उल्टा चशमा' आज भी ऑडियंस की पहली पसंद बना हुआ है। वहीं मुनमुन दत्ता की बातें इस बात का सबूत हैं कि किसी भी लंबे सफर की असली नींव सिर्फ पॉपुलैरिटी ही नहीं, बल्कि टीमवर्क, प्रोफेशनलिज्म और एक-दूसरे के लिए सम्मान होता है। टीवी पर सबसे ज्यादा देखे और पसंद किए जाने वाले शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की पहचान उसकी दमदार स्टारकास्ट और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में यह शो कलाकारों के बाहर होने, मेकर्स पर लगाए गए आरोपों और पर्दे के पीछे के विवादों को लेकर भी लगातार चर्चा में रहा है। इंटरव्यू के दौरान मुनमुन ने अपनी महिला सह-कलाकारों की भी खुलकर तारीफ की।

श्रेया ने बहस के बीच शिल्पा पर विक्टिम कार्ड खेलने का लगाया आरोप

नेटफ्लिक्स वेब रियलिटी शो 'लॉकअप-2' को लेकर तीखी बहसबाजी जारी है। एक तरफ जहां श्रेया की शिल्पा शिंदे के साथ तीखी बहस देखने को मिली तो दूसरी ओर आकांक्षा चमोला ने श्रेया को लताड़ा। दरअसल, शो के दौरान श्रेया ने शिल्पा से आकांक्षा चौधरी के साथ बदलते इक्वेशन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "आकांक्षा के साथ तुम्हारे कनेक्शन अचानक से इतने अच्छे क्यों होने लगे? तुम मुझे बचाना चाहती थीं, है ना? अगर वह तुम्हारे कमरे में आई और तुमसे कहा कि वह मेरा सीक्रेट बताने वाली है, तो तुमने मुझे अगले दिन क्यों नहीं बताया?" जवाब देते हुए शिल्पा ने श्रेया से कहा, "देखो, तुम्हें अपना गेम अच्छे से पता है। तुमको अच्छे से जानती है कि किस बारे में बात कर रही हो।" इसके बाद श्रेया पर तंज कसते हुए शिल्पा ने बोला, "ये 'द श्रेया कालरा शो' है। प्लीज, तुम बाहर जाओ और बैठकर शो देखो।" श्रेया ने जवाब देते हुए कहा, "मेरे पास इतना टाइम नहीं है कि मैं बाहर जाकर शो देखूं और फिर उस पर रिएक्ट करूं।" श्रेया ने शिल्पा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह विक्टिम कार्ड खेल रही है और बात करने से मना कर रही है। उन्होंने कहा, "इतना कुछ करने के बाद, अब तुम विक्टिम कार्ड खेल रही हो। यह तुम्हें सूट नहीं करता, जब मैं तुम्हारे सामने अपनी बात रख रही हूं, तो यह क्या है? मैं तुम्हारे पास दोस्ती के नाते एक-दो बार आ रही हूं।"

जाह्नवी कपूर संग रीयूनियन पर भावुक हुए ईशान खट्टर, बोले-जैसे समय बीता ही नहीं

अभिनेता ईशान खट्टर ने शुक्रवार को अपनी पहली को-स्टार जाह्नवी कपूर के साथ हैप्पी मूमेंट शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर फैंस को पुरानी यादों से रूबरू कराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर जाह्नवी के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, "कुछ रीयूनियन ऐसा एहसास दिलाते हैं कि जैसे समय बीता ही नहीं है। जाह्नवी कपूर।" शेयर की गई तस्वीर में ईशान मैचिंग पगड़ी के साथ आइवरी शेरवानी पहने हुए दिख रहे हैं और जाह्नवी भारी कढ़ाई वाले मैरून लहंगे के साथ स्टेटमेंट ज्वेलरी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। दोनों एक सीढ़ी पर बैठे, एक-दूसरे का हाथ पकड़े और तस्वीर के लिए पोज देते हुए दिख रहे हैं।

इस रीयूनियन ने फैंस को 2018 में रिलीज हुई 'धड़क' में उनकी सफल ऑन-स्क्रीन जोड़ी की याद दिला दी, जिसमें जान्हवी कपूर ने ईशान के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड डेब्यू किया था।

शशांक खेतान द्वारा डायरेक्टेड और धर्मा प्रोडक्शंस, जी स्टूडियोज और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा प्रोड्यूस की गई। यह रोमांटिक ड्रामा नागराज मंजुले की मशहूर मराठी ब्लॉकबस्टर 'सैराट' का ऑफिशियल हिंदी रीमेक थी, जो 2016 में रिलीज हुई थी।

जाह्नवी और ईशान के बीच की केमिस्ट्री को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था और इसने उन्हें साल की सबसे चर्चित फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक बना दिया था। दोनों आज भी करीबी दोस्त हैं और पिछले कुछ साल में इंडस्ट्री इवेंट्स और पब्लिक अपीयरेंस में भी साथ दिखे हैं।

उन्हें आखिरी बार नीरज घायवान की 'होमबाउंड' में एक साथ देखा गया था, जिसमें जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा ने एक्टिंग की थी। फिल्म की कहानी बचपन के दो दोस्तों, चंदन (विशाल जेठवा) और शोएब (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस सेवा परीक्षा पास करने और बेहतर जीवन जीने का सपना देखते हैं।

लिबरल्स पर तंज कसते हुए कंगना रनौत ने शेयर की बचपन की यादें, 12 साल की उम्र में बनी थीं माता सीता

बॉलीवुड अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने स्कूल के दिनों की एक अनदेखी और पुरानी तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में वह महज 12 साल की उम्र में एक स्कूल नाटक के दौरान 'माता सीता' के रूप में मंच पर खड़ी नजर आ रही हैं। कंगना ने अपनी इस थ्रोबैक तस्वीर के जरिए अपने बचपन के दिनों को याद किया और साथ ही अपने सहपाठियों के नाम भी सार्वजनिक किए, जिन्होंने इस नाटक में भगवान राम और हनुमान जी का किरदार निभाया था। उनका यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

साम, दाम, दंड, भेद से रावण ने हथियाई थीं 4 चीजें, जिसने बनाया उसे महाबली, 'रामायण' के ट्रेलर में दिखी इनकी साफ झलक

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर रिलीज होते ही रावण के भव्य और शक्तिशाली रूप ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। पौराणिक कथाओं के अनुसार रावण कोई साधारण योद्धा नहीं, बल्कि एक परम ज्ञानी और अपार शक्तियों का स्वामी था। उसने अपनी कूटनीति और साम, दाम, दंड, भेद के बल पर चार अत्यंत बहुमूल्य वस्तुएं हासिल की थीं, सोने की लंका, पुष्पक विमान, यक्षों का अपार खजाना और भगवान शिव की अजेय तलवार 'चंद्रहास'। अपने ही सौतेले भाई कुबेर को हराकर और महादेव को अपनी भक्ति से प्रसन्न कर रावण ने ये दिव्य शक्तियां प्राप्त की थीं। ट्रेलर में इन चारों चीजों की भव्य झलक देखने को मिलती है, जो रावण के महाबली स्वरूप को जीवंत करती हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार सोने की लंका का निर्माण मूल रूप से विश्वकर्मा जी ने भगवान शिव और माता पार्वती के निवास स्थान के लिए किया था। जब लंका में गृह प्रवेश का पूजन संपन्न हुआ, तो आचार्य के रूप में आमंत्रित महाज्ञानी ऋषि विश्रवा ने दक्षिणा के रूप में शिव जी से वही लंका मांग ली। इस प्रकार लंका ऋषि विश्रवा और उनके पुत्र कुबेर (धन के देवता) के अधिकार में आ गई। आगे चलकर विश्रवा के दूसरे पुत्र रावण ने अपनी कठोर तपस्या से अपार शक्तियां प्राप्त कीं। अहंकार और महत्वाकांक्षा के वश में आकर रावण ने 'साम, दाम, दंड, भेद' की नीति अपनाई।

उस ने अपने ही सौतेले भाई कुबेर पर आक्रमण कर दिया, उन्हें लंका से खदेड़ दिया और छल-बल से सोने की लंका पर अपना आधिपत्य जमा लिया। ट्रेलर की शुरुआत में ही सोने की लंका में रावण की एंट्री देखने को मिलती है, जहां से वो खुद को तीनों लोकों का स्वामी घोषित करता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार पुष्पक विमान का निर्माण देवशिल्पी विश्वकर्मा ने भगवान ब्रह्मा के लिए किया था। बाद में, भगवान ब्रह्मा ने धन के देवता कुबेर की कठिन तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर यह अद्भुत विमान उन्हें भेंट स्वरूप दे दिया। पुष्पक विमान की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि यह मन की गति से उड़ सकता था और यात्री की इच्छा के अनुसार इसका आकार छोटा या बड़ा हो जाता था।कुबेर और रावण सौतेले भाई थे। जब रावण ने ब्रह्मा जी से वरदान पाकर अपार शक्तियां प्राप्त कर लीं तो उसकी महत्वाकांक्षाएं बढ़ गईं। लंका पर अधिकार करने के बाद उसने अलकापुरी पर आक्रमण कर कुबेर को युद्ध में पराजित कर दिया। रावण ने बलपूर्वक कुबेर से पुष्पक विमान भी छीन लिया और उस पर अपना अधिकार जमा लिया। टीजर के बाद ट्रेलर में भी कमल जैसे दिखने वाले पुष्पक विमान क झलक साफ दिखाई गई है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यक्षों का अपार धन मूल रूप से यक्षों के राजा और धनपति कुबेर का था। भगवान ब्रह्मा से अमरता और अतुलनीय शक्तियों का वरदान प्राप्त करने के बाद रावण की शक्ति और राज्य विस्तार की लालसा चरम पर पहुंच गई।

कुबेर और रावण सौतेले भाई थे, लेकिन रावण ने कुबेर के अधिकार वाले समृद्ध नगर अलकापुरी पर चढ़ाई कर दी। भीषण युद्ध में रावण ने यक्षों की सेना और कुबेर को पराजित कर दिया। इसके बाद रावण ने छल और बाहुबल के प्रयोग से कुबेर के खजाने, यक्षों की निधि तथा उनके दिव्य आभूषणों पर पूरी तरह कब्जा कर लिया। इस प्रकार, यक्षों की समस्त धन-संपदा रावण के अधिकार में आ गई और उसने इसका उपयोग लंका का वैभव बढ़ाने के लिए किया। आभूषणों से सजा रावण पूरे ट्रेलर में देखने को मिलता है, जो उसने यक्षों से हासिल किए। पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंद्रहास नाम की यह अजेय और दिव्य तलवार स्वयं भगवान शिव की थी। जब अहंकार में डूबे रावण ने भगवान शिव के निवास स्थान कैलाश पर्वत को उठाने का दुस्साहस किया, तब महादेव ने अपने पैर के अंगूठे से पर्वत को दबा दिया। इसके नीचे रावण के हाथ दब गए और वह पीड़ा से व्याकुल हो उठा। जिसकी झलक भी ट्रेलर में देखने को मिली।

'लॉक अप 2': शिवांगी-हर्षद की बढ़ती नजदीकियों पर जन्नत जुबैर की खुली सलाह, अपने खेल पर दो ध्यान

रियलिटी शो 'लॉक अप 2' में पिछले कुछ हफ्तों से शिवांगी जोशी और एक्टर हर्षद चोपड़ा की दोस्ती को लेकर काफी बातें हो रही हैं। घर के अंदर और बाहर सोशल मीडिया पर भी लोग ये जानने की कोशिश कर रहे हैं कि दोनों के बीच आखिर चल क्या रहा है। इसी बीच एक्ट्रेस जन्नत जुबैर विजिटर बनकर शो में पहुंचीं और उन्होंने शिवांगी को आईना दिखाते हुए एक बड़ा रियलिटी चेक दिया। उन्होंने शिवांगी को समझाया कि वह बाहरी बातों पर ध्यान देने की बजाय खुद पर फोकस करें। जन्नत ने शिवांगी से कहा, "घर के अंदर जो कुछ हो रहा है, वही बाहर भी दिखाया जा रहा है। दर्शकों तक बिना किसी फिल्टर के वही तस्वीर पहुंच रही है जो कैमरे में कैद हो रही है। इसी वजह से जो तुम्हारे और हर्षद के रिश्ते को लेकर जो अटकलें लग रही हैं, वो बेवजह नहीं हैं। अगर बाहर लोग ये सोच रहे हैं कि दोनों साथ हैं, तो इसमें हैरानी वाली बात नहीं है, क्योंकि घर के अंदर भी कई लोग यही महसूस कर रहे हैं।" जन्नत ने शिवांगी को बताया, ''हर्षद स्वभाव से काफी इमोशनल हैं और बीते कुछ समय में दोनों कई बार इमोशनल भी हुए हैं। इसी वजह से घर के अंदर मौजूद लोग और बाहर के दर्शक दोनों को लग रहा है कि उनके बीच कनेक्शन दोस्ती से बढ़कर है। तुम इन बातों को लेकर परेशान न हों, बल्कि समझों कि पब्लिक और घर वाले दोनों क्या देख और सोच रहे हैं।''

श्रेया कालरा पर भड़कीं आकांक्षा चमोला, बोलीं- तुम गौरव को कितना जानती हो?

एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला अपनी 'लॉक अप' की साथी कंटेस्टेंट श्रेया कालरा पर तब भड़क गई, जब उन्हें पता चला कि श्रेया ने एक्टर गौरव खन्ना के साथ उनके तलाक के बारे में कुछ बातें कही थीं। आकांक्षा ने श्रेया पर आरोप लगाया कि उन्होंने दोनों में से किसी को भी जाने बिना एक बहुत ही निजी मामले पर राय बनाई और उनके रिश्ते के बारे में कुछ भी जाने बिना उन पर टिप्पणी की।

'लॉक अप' रियलिटी शो के घर के अंदर हुई तीखी बहस के दौरान, आकांक्षा ने श्रेया से सवाल किया कि वह गौरव का जिक्र तो सम्मान के साथ करती हैं, लेकिन उन्हें (आकांक्षा को) गलत तरीके से पेश करती हैं। आकांक्षा ने पूछा, "तुम गौरव को कितना जानती हो? क्या तुम उन्हें बाहर से जानती हो? क्या तुम उनकी दोस्त हो? वह तुम्हारे लिए 'गौरव जी' क्यों हैं? और मैं 'चुड़ैल' क्यों हूं?" एक्ट्रेस ने आगे आरोप लगाया कि उन्हें बताया गया था कि श्रेया ने कहा था कि उनका और गौरव का तलाक होना "अच्छा" था क्योंकि वह गौरव के लायक नहीं हैं। इन कथित टिप्पणियों पर नाराजगी जताते हुए आकांक्षा ने कहा, "तुम यह कहने वाली कौन होती हो? क्या तुम मेरे और उनके रिश्ते के बारे में जानती हो? तुम तो उनके वकील की तरह बात कर रही हो! क्यों?!" श्रेया ने ऐसी बातें कहने से इनकार किया और आकांक्षा से कहा कि वह दूसरों से सुनी हर बात पर यकीन न करे। श्रेया ने यह भी कहा कि उनका इरादा कपल के रिश्ते पर टिप्पणी करने का नहीं था, और उन्होंने अपनी बात समझाने की कोशिश की।

मामले को ऐसे ही छोड़ देने से इनकार करते हुए आकांक्षा ने कहा कि किसी की टूटी हुई शादी पर टिप्पणी करना बहुत असंवेदनशील बात है। आकांक्षा ने पूछा, "अगर मैं तुम्हारे एक्स और तुम पर टिप्पणी करूं, तो यह कैसा लगेगा और तुम्हें कैसा महसूस होगा?" यह बहस तब और बढ़ गई जब एक और कंटेस्टेंट के बातचीत में शामिल होने के बाद आकांक्षा ने श्रेया पर अपना स्टैंड बदलने का आरोप लगाया। यह बातचीत तब खत्म हुई जब आकांक्षा ने श्रेया के गेम खेलने के तरीके पर तीखा तंज कसा।

सार समाचार

स्पेन पर इटली की पीएम मेलोनी का फूटा गुस्सा, शेंगेन एरिया सस्पेंड करने की दी चेतावनी

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घोषणा की है कि रोम इटली की सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। पीएम मेलोनी के इस फैसले में स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है। पीएम मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा बयान में जोर देकर कहा, "सेउटा से आ रही तस्वीरें हैरान करने वाली हैं और एक बार फिर दिखाती हैं कि बिना कंट्रोल वाला गैर-कानूनी इमिग्रेशन यूरोप के बॉर्डर की सुरक्षा के लिए एक पक्का खतरा है। मैंने गृह मंत्री माटेओ पियांटेडोसी से बात की है। इटली चुपचाप खड़ा होकर नहीं देखेगा।" उन्होंने आगे कहा, "हम संबंधित विभाग को बुला रहे हैं, और इन बैठकों के बाद हम सीमा की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए खास कदम उठाने के लिए तैयार हैं, जिसमें स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है। गैर-कानूनी इमिग्रेशन पर हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे। सीमा की रक्षा करना, मानव तस्करी को रोकना और प्रभावी तरीके से लोगों को वापस लाना इस सरकार की लाइन बनी रहेगी।" इटली के डिप्टी पीएम एंटोनियो तजानी ने भी ऐसी ही अपील की। तजानी ने स्पेन सरकार के 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पैनिश और यूरोपीय नागरिकता देने के फैसले को बहुत गलत बताया और स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने का सपोर्ट किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, "मैं स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने के पक्ष में हूं, और मुझे मंत्री पियांटेडोसी के कामों पर पूरा भरोसा है। अनियमित और अनियंत्रित इमिग्रेशन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है।" इस बीच, स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने तजानी के बयान को अनुचित बताया और घोषणा की कि उन्होंने इटली के राजदूत को तलब किया है।

ईरान को चीनी हथियार आपूर्ति की रिपोर्ट पर ट्रंप बोले, 'ऐसा हुआ तो मुझे निराशा होगी'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चीन की ओर से कथित हथियार आपूर्ति की खबरों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने स्पष्ट तौर पर उनसे (ट्रंप) कहा था कि चीन इस तरह की किसी भी सैन्य आपूर्ति में शामिल नहीं होगा। ट्रंप की यह टिप्पणी उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आई है, जिनमें दावा किया गया कि चीन जल्द ही ईरान को 400 चीनी निर्मित मैनपैड्स एयर डिफेंस मिसाइल लॉन्चर उपलब्ध करा सकता है, ये मिसाइल कंधे पर रख कर दागे जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका के साथ जारी संघर्ष के बीच ईरान अपनी हवाई सुरक्षा मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

15 साल के गणेश यादव की मौत के बाद नेपाल में गुस्सा, गृह मंत्री को घेरने की चेतावनी

सिराहा। नेपाल की जनता एक बार फिर से सड़कों पर उतर चुकी है। रविवार को हुए सामुदायिक हिंसा के बाद से नेपाल में काफी तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। प्रधानमंत्री बालेंद्र उर्फ बालेन शाह और गृह मंत्री सुदान गुरुंग के खिलाफ लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। नेपाल के इस सामुदायिक हिंसा के दौरान पुलिस के साथ हुई झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना में 15 साल के गणेश यादव की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद उनके रिश्तेदारों और पड़ोसियों ने विरोध प्रदर्शन किया। नेपाल न्यूज के अनुसार, जब उन्हें पता चला कि गृह मंत्री सुदान गुरुंग, गणेश यादव के दुखी परिवार से मिलने जा रहे हैं तो स्थानीय लोग धनुषा जिले में स्थित बनिनिया चौक पर विरोध करने के लिए इकट्ठा हो गए। गणेश यादव औराही रूरल म्युनिसिपैलिटी-2 का रहने वाला था। सुनसरी घटना से जुड़े गोलबाजार में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी मौत हो गई थी। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक गणेश यादव को इंसाफ नहीं मिल जाता, वे गृहमंत्री को इलाके में आने से रोकेंगे। स्थानीय लोगों ने बालेन सरकार और गृह मंत्री के खिलाफ नारे लगाए। द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, सुनसरी में झगड़े के बाद शुरू हुआ सांप्रदायिक तनाव तराई के कई जिलों में फैल गया है। चार जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार रात से सुनसरी, सप्तरी, सिराहा और धनुषा में कर्फ्यू लगा दिया। वहीं, पूर्वी जिले सुनसरी से हिंसा फैलने पर परसा में रोक लगा दी गई है। अशांति को रोकने के लिए नेपाल पुलिस, आर्म्ड पुलिस फोर्स और नेपाली आर्मी को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। प्रशासन ने अपने आधिकारिक आदेश में डिटेल्ड बाउंड्री कोऑर्डिनेट्स जारी किए हैं।

इजरायल ने तोड़ दी हिज्बुल्लाह की कमर! साउथ लेबनान में तबाह कर दिया उसका अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क

इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने आज (शुक्रवार को) बताया कि उसने साउथ लेबनान में ब्यूफोर्ट रिज के नीचे कई महत्वपूर्ण अंडरग्राउंड सुरंगों को तबाह कर दिया है। यह एक्शन सिक्योरिटी जोन वाले क्षेत्र में एक "लिमिटेड एक्टिविटी" के दौरान किया गया। यह ऐसे समय में हुआ है जब अगले महीने अगस्त में इटली के रोम में अमेरिका की मध्यस्थता में इजरायल और लेबनान में बातचीत फिर से शुरू होने वाली है। इजरायली सेना ने बताया कि यह टनल नेटवर्क हिज्बुल्लाह के लिए एक सेंट्रल कमांड सेंटर का काम करता था, जहां से उसके कमांडर जंग से जुड़ी एक्टिविटीज को संभालते थे। इजरायली सैनिकों और नागरिकों पर अटैक करने के लिए निर्देश देते थे। IDF के मुताबिक, यह अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क कई लेवल वाला था।

हिज्बुल्लाह ने इसे दो दशकों में बनाया था। IDF ने ये भी कहा कि अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क, साउथ लेबनान में हिज्बुल्लाह की 'बदर यूनिट' के लिए सेंट्रल कमांड सेंटर के रूप में काम करता था। इसकी प्लानिंग और फंडिंग ईरान के शासन ने की थी। IDF ने कहा कि यह अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क नॉर्थ इजरायल के लिए खतरा था क्योंकि यह उसके मेटुला और गैलिली पैनहैंडल क्षेत्र से करीब 6 किलोमीटर दूर स्थित था। इजरायली सेना ने कहा कि उसने पिछले कुछ सप्ताह में लेबनान के ब्यूफोर्ट रिज में अपनी तैनाती को पूरा कर लिया है।

इसके अलावा, IDF ने जमीन के नीचे बनी सुरंगों के नेटवर्क पर अपना ऑपरेशनल कंट्रोल बनाए रखा और उन्हें तबाह करने की तैयारी भी की है।

इसके साथ ही, इजरायली सेना ने यह भी कहा कि वह लेबनान के साथ हुए सीजफायर समझौते का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही अपनी आर्मी के लिए खतरों को खत्म करने के मकसद से ऑपरेशन भी जारी रखेगी। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, हिज्बुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई को लेकर इजरायल से नाराजगी जता चुके हैं। उन्होंने कहा था कि वे चाहते हैं कि लेबनान में अब सीरिया कमान संभाले।

ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' को मिली बड़ी सफलता, गाजा में हथियार छोड़ेंगे हमास और अन्य गुट

मध्य पूर्व में लंबे समय से संघर्ष का केंद्र रहे गाजा में शांति लाने की कोशिशों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गठित किए गए 'बोर्ड ऑफ पीस' और मध्यस्थता करने वाले देशों- मिस्र, कतर, तुर्की और अमेरिका ने ऐलान किया है कि हमास ने गाजा पट्टी में अगले चरण के सीजफायर को लागू करने के लिए एक विस्तृत रोडमैप पर अपनी सहमति दे दी है। इस योजना में खास बात ये है कि पहली बार हमास ने आधिकारिक तौर पर अपने सभी हथियार छोड़ने के लिए एक व्यावहारिक योजना पर काम करने का वादा किया है। जानकारी दी गई है कि इसके बाद इजरायल भी अपनी सेना को गाजा पट्टी से हटा लेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल को लेकर भी बात की है। ट्रंप ने कहा- इजरायल को वह सुरक्षा मिलेगी जिसका वह हकदार है, क्योंकि गाजा का इस्तेमाल अब आतंकी हमलों के अड्डे के तौर पर नहीं किया जाएगा।" ट्रंप ने बताया है कि हमास का हथियार छोड़ने पर सहमति जताना गाजा के लिए 20-सूत्रीय प्लान को लागू करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जैसे-जैसे हमास हथियार छोड़ेगा, इजरायल की सेना पीछे हट जाएगी। इसके बाद 'इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स' गाजा को वहां के निवासियों और पड़ोसियों के लिए सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी निभाएगी। एक नई फिलिस्तीनी पुलिस फोर्स भी बनाई जाएगी जो कि इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स के साथ मिलकर काम करेगी। आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा को 'रिवेरा' में बदलने का प्रस्ताव पेश किया था। रिवेरा समुद्र तट पर बसे एक लोकप्रिय पर्यटन क्षेत्र को कहते हैं। हमने ऐतिहासिक प्रगति की है और अभी भी बहुत काम करना बाकी है।

'हमने मंजूरी नहीं दी, हमें तो हमले की खबर तक नहीं थी', ट्रंप के दावे को इराक ने किया खारिज

इराक ने अपने देश में ईरान समर्थित लड़ाकों पर हुए अमेरिका और सऊदी अरब के संयुक्त सैन्य हमलों को लेकर बड़ा बयान दिया है। इराकी सरकार ने साफ कहा है कि उसने इन हमलों की न तो कोई मंजूरी दी थी और न ही उसे पहले से इनके बारे में कोई जानकारी थी। इन हमलों में ईरान समर्थित पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज यानी कि PMF के कम से कम 20 लड़ाकों की मौत हुई है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने इस घटना के बाद अपनी प्रस्तावित सऊदी अरब यात्रा भी फिलहाल टाल दी है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि यह सैन्य कार्रवाई इराकी नेतृत्व के साथ समन्वय करके की गई थी। हालांकि, इराक ने ट्रंप के इस दावे को साफ तौर पर खारिज कर दिया है। इससे पहले बुधवार को भी इराक ने इन हमलों की आधिकारिक रूप से निंदा की थी।

इस बीच, इराक ने सऊदी अरब से उन आरोपों के समर्थन में सबूत भी मांगे हैं, जिनमें कहा गया है कि इराक में मौजूद ईरान समर्थित सशस्त्र गुटों ने सऊदी अरब पर ड्रोन हमले किए थे। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि सोमवार और मंगलवार को इराक की जमीन से उड़ाए गए ड्रोन ने राजधानी रियाद और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया था। हालांकि, इराकी प्रधानमंत्री के प्रवक्ता सबाह अल-नुमान ने कहा कि अब तक किसी भी पक्ष ने इन आरोपों के समर्थन में कोई सबूत उपलब्ध नहीं कराया है।

अल-नुमान ने यह भी दोहराया कि इराक अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी गैर-सरकारी या सशस्त्र समूह द्वारा दूसरे देशों पर हमला करने के लिए नहीं होने देगा। साथ ही उन्होंने कहा कि इराक किसी भी विदेशी सैन्य कार्रवाई या अपनी संप्रभुता के उल्लंघन को भी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'सरकार इराक के भीतर से किसी भी एकतरफा कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं करेगी। साथ ही, वह देश की सीमाओं के बाहर से होने वाले किसी भी उल्लंघन को भी स्वीकार नहीं करेगी।'

बलूच संगठनों ने की पीओके में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की निंदा, कहा- दमन से नहीं दबेगी आवाज

क्वेटा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ते अशांति के बीच दर्जनों नागरिकों के मारे जाने और घायल होने की खबरों पर कई बलूच मानवाधिकार संगठनों और कार्यकर्ताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कथित बर्बर कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया है। बलूच मानवाधिकार संगठन बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने कहा कि पीओके में जन आंदोलन के खिलाफ बल प्रयोग, प्रत्यक्ष गोलीबारी, राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और नागरिकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं पाकिस्तान की दमनकारी व्यवस्था को उजागर करती हैं। बीवाईसी ने कहा, "हम इन कार्रवाइयों को व्यापक राज्य नीति का हिस्सा मानते हैं, जिसके तहत जनता की आवाज और राजनीतिक प्रतिरोध को बलपूर्वक दबाने का प्रयास किया जाता है। राजनीतिक प्रक्रियाओं के बजाय जनता की मांगों का जवाब गोलियों, गिरफ्तारियों और दमन से देना इस बात को दर्शाता है कि पाकिस्तान राज्य असहमति को सहन करने की बजाय बल प्रयोग को प्राथमिकता देता है।" मानवाधिकार संगठन ने ने चिंता जताते हुए कहा कि लोगों की मांगों को सुनने और राजनीतिक समाधान तलाशने के बजाय पाकिस्तानी अधिकारियों ने बल प्रयोग का रास्ता चुना है। क्षेत्र में प्रत्यक्ष गोलीबारी, हिंसा, गिरफ्तारियों और घेराबंदी के जरिए जन आंदोलन को दबाने की कोशिश की जा रही है। विश्लेषकों का मानना है कि विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से मरने वाले स्थानीय लोगों की संख्या 125 या उससे ज्यादा हो सकती है।

उजैर बलोच के भाई पर ल्यारी में ताबड़तोड़ फायरिंग, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, ताजा अपडेट आया सामने

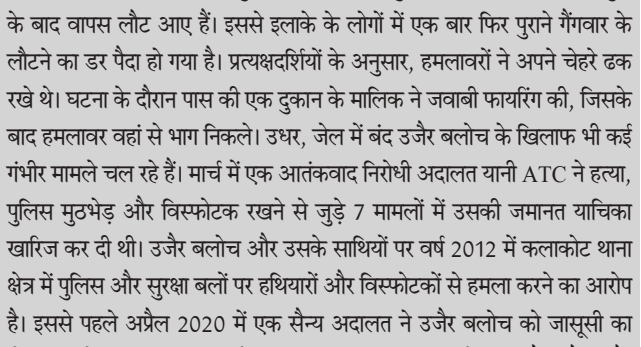

पाकिस्तान के कराची शहर के ल्यारी इलाके में गुरुवार शाम जेल में बंद गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर बलोच पर अंधाधुंध फायरिंग की खबर सामने आई है। इस हमले में जुबैर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि 2 राहगीर भी गोली लगने से जख्मी हो गए। तीनों को तुरंत कराची के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। चाकीवाड़ा पुलिस के मुताबिक, करीब 40 साल के जुबैर बलोच को मुख्य चाकीवाड़ा रोड पर गोली मारी गई। दक्षिण कराची के DIG सैयद असद रजा ने बताया कि जुबैर अपने घर के बाहर सिंगू लेन में बैठा था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार हथियारबंद हमलावर पहुंचे और उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। पुलिस के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जुबैर के सीने और पेट में कई गोलियां लगी हैं और ताजा अपडेट यह है कि उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और उसका ऑपरेशन किया जा रहा है। घायल हुए 2 राहगीरों में से एक की हालत भी गंभीर बताई गई है। DIG असद रजा ने बताया कि पुलिस इस हमले की कई पहलुओं से जांच कर रही है। इसमें गैंगवार और निजी दुश्मनी दोनों एंगल शामिल हैं। पुलिस ने यह भी जानकारी दी कि जुबैर बलोच को वर्ष 2012 में 7 आपराधिक मामलों में गिरफ्तार किया गया था। बाद में वह जनवरी 2025 में जेल से रिहा हुआ था। ल्यारी के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि कुछ महीने पहले जुबैर एक राजनीतिक दल में शामिल हुआ था और उसने अपने इलाके में उस पार्टी के झंडे भी लगाए थे। सामाजिक कार्यकर्ता ने यह भी कहा कि ल्यारी में ऐसी चर्चाएं हैं कि कराची ऑपरेशन के दौरान दुबई और ईरान भागे कुछ गैंगस्टर अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद वापस लौट आए हैं। इससे इलाके के लोगों में एक बार फिर पुराने गैंगवार के लौटने का डर पैदा हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने अपने चेहरे ढक रखे थे। घटना के दौरान पास की एक दुकान के मालिक ने जवाबी फायरिंग की, जिसके बाद हमलावर वहां से भाग निकले। उधर, जेल में बंद उजैर बलोच के खिलाफ भी कई गंभीर मामले चल रहे हैं। मार्च में एक आतंकवाद निरोधी अदालत यानी ATC ने हत्या, पुलिस मुठभेड़ और विस्फोटक रखने से जुड़े 7 मामलों में उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उजैर बलोच और उसके साथियों पर वर्ष 2012 में कलाकोट थाना क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों पर हथियारों और विस्फोटकों से हमला करने का आरोप है। इससे पहले अप्रैल 2020 में एक सैन्य अदालत ने उजैर बलोच को जासूसी का दोषी ठहराते हुए 12 साल की जेल की सजा सुनाई थी। बता दें कि उजैर और जुबैर कुख्यात गैंगस्टर रहमान डकैत के भाई हैं।

नेपाल हिंसा: तनाव के बीच प्रधानमंत्री शाह ने विपक्षी नेताओं से मांगे सुझाव, शांति की अपील की

काठमांडू। नेपाल के दक्षिणी मधेश प्रांत में फैली सांप्रदायिक हिंसा में तीन मौतों के बाद शुक्रवार को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने क्षेत्र के राजनीतिक दलों के नेताओं और वहां के सांसदों से मुलाकात की। कहा जा रहा था कि बालेंद्र शाह लंबे समय से विपक्षी दलों से बातचीत करने से बचते रहे हैं। उनका यह तरीका नेपाल की संसदीय लोकतांत्रिक परंपरा से अलग है क्योंकि आमतौर पर किसी बड़े राष्ट्रीय मुद्दे या संकट के समय प्रधानमंत्री विपक्षी दलों से भी सलाह-मशविरा करते हैं। अब भारत की सीमा से लगे मधेश प्रांत में बढ़ती सांप्रदायिक हिंसा ने आखिरकार उन्हें अपनी लंबे समय की चुप्पी तोड़ने पर मजबूर कर दिया।

हालांकि इस दौरान वे संसद को संबोधित करते रहे और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को नियमित रूप से जानकारी भी देते रहे। प्रधानमंत्री सचिवालय के अनुसार, बालेंद्र शाह ने नेताओं को आमंत्रित कर उन तनावों पर चर्चा की जो पहले सुनसरी जिले में शुरू हुए थे और बाद में मधेश के कई अन्य जिलों तक फैल गए।

बैठक में हालात को सामान्य करने और समुदायों के बीच फिर से भाईचारा कायम करने के उपायों पर भी बातचीत हुई। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने नेताओं से मधेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उनकी राय और सुझाव मांगे। बैठक में शामिल नेताओं ने कहा कि उन्होंने तराई के कई जिलों में पैदा हुई समस्याओं के समाधान के लिए अपने सुझाव दिए। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे को लेकर संवेदनशील हैं और समस्या का समाधान निकालने के लिए गंभीरता से काम करना चाहते हैं।

ब्रिटिश सांसदों ने पीओके में हिंसा पर जताई चिंता, तनाव तुरंत कम करने की मांग की

लंदन। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ती अशांति को लेकर कई ब्रिटिश सांसदों ने गंभीर चिंता जताई है। इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई, आवाजाही पर पाबंदियों और संचार व्यवस्था ठप होने की खबरों के बीच आम नागरिकों के हताहत होने और घायल होने की भी खबरें आ रही हैं। ब्रैडफोर्ड के सांसद इमरान हुसैन और ऑल-पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप (एपीपीजी) के चेयरमैन ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और 50 से अधिक सांसदों ने पीओके के हालात को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) के विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हुसैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "कश्मीर पर एपीपीजी के चेयरमैन के तौर पर 50 से अधिक सांसदों के साथ मिलकर हमने मौजूदा हालात के बारे में विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हम तनाव के गंभीर रूप से बढ़ने को लेकर बहुत चिंतित हैं, खासकर हालिया खबरों को लेकर जिनमें गोलीबारी से लोगों की मौत और घायल होने की बात कही गई है।" हुसैन ने कहा कि कई ब्रिटिश कश्मीरी उस इलाके में अपने रिश्तेदारों की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं।

उन्होंने कहा, "कई ब्रिटिश कश्मीरी अपने परिवारों की सुरक्षा और भलाई को लेकर चिंतित हैं, जिससे हमारे समुदायों में काफी बेचैनी और परेशानी है।" उन्होंने कहा, "यूके सरकार को तनाव कम करने और बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए सभी सही कूटनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस बातचीत के केंद्र में कश्मीरियों के बुनियादी मानवाधिकार होने चाहिए।"

SPORTS NEWS

Lovepreet Singh clinches weightlifting silver, Seema Kaliramna grabs bronze medal at CWG 2026

The Indian contingent has caught the flow at the ongoing Commonwealth Games 2026. Becoming the latest to add to India's tally at the Games, weightlifter Loverpreet Singh won the silver medal at the Games, delivering the best performance of his career. He participated in the 110kg weightlifting event, setting a new Commonwealth Games record with a 176kg lift, and ended up finishing with a total of 388 kg to his name, which saw him win the silver medal and add to India's tally. It is worth noting that Lovepreet Singh entered the Clean and Jerk portion of the event with a 10 kg advantage. However, New Zealand's David Andrew Liti broke his dream run, lifting a record 223kg in his final attempt to win the gold medal by just 1 kg. Furthermore, Seema Kaliramna also added to India's tally at the games, clinching the bronze medal to her name in the women's discus throw event. Seema recorded a best attempt of 58.65m, despite fouling her final three attempts.

Legendary Milan and Italy defender Franco Baresi dies at 66, football fraternity comes forth to pay tribute

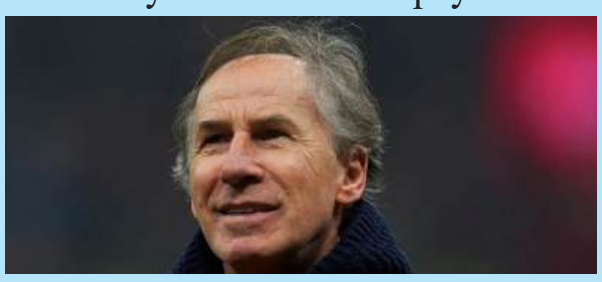

Franco Baresi, one of the greatest Italian defenders in the history of football, has tragically passed away at the age of 66. It is worth noting that Baresi underwent surgery for a lung nodule back in 2025 and was in poor health for quite some time before his passing. After the news of his passing, Baresi's club, AC Milan, took centre stage and released a statement talking about the legacy that the Italian great has left behind. The club also stated that Baresi's legacy and influence will forever stay imbued in the hearts of the fans. "The entire history of AC Milan is in mourning following the death of Franco Baresi. His example and integrity will remain forever embedded in the club's DNA, just like his iconic number 6 shirt. The condolences that AC Milan extends to the family of Franco Baresi in this difficult time are shared by every Rossonero, who feels this loss as their own," AC Milan posted on X. Speaking of Franco Baresi, widely revered as one of the greatest defenders in the history of the sport, Baresi shaped the legacy of Italian football through his leadership and defensive capabilities. He made a whopping 716 appearances for AC Milan throughout his career.

Jasprit Bumrah passes fitness test, cleared to play in upcoming Test series against Sri Lanka

In a major development, star India pacer Jasprit Bumrah has reportedly been cleared to play for the Indian team ahead of their two-game Test series against Sri Lanka. It is interesting to note that India will be taking on Sri Lanka in the first Test of the series at the Galle International Stadium from August 15th. Notably, as the BCCI (Board of Control for Cricket in India) announced the squad for the upcoming series, star man Jasprit Bumrah was included in the squad subject to fitness, as he had sustained an impact injury during the recent ODI series against England. Due to his injury, Bumrah missed out on the third ODI of the recent series against England, and with reports emerging that Bumrah has cleared the fitness test, a source in the know came forward and talked about the development. "Jasprit Bumrah has recovered from his impact injury. He has cleared the fitness tests mandated by the COE. Hopefully he will be available for both games, as he is integral to the team's plans," a BCCI source told PTI. The Indian team is in a perplexing situation regarding the WTC (World Test Championship) cycle. The side needs to win even eight of its remaining nine Tests of the ongoing cycle if they want to stay in contention for a place in the WTC final. Speaking of the upcoming series, India will face Sri Lanka for the first Test in Galle from August 15.

Tejaswin Shankar scripts history, clinches decathlon bronze medal at Commonwealth Games 2026

In a major development, Tejaswin Shankar put forth a brilliant performance and etched his name in the history books at the ongoing Commonwealth Games 2026. He became the first man from India to win a medal in the decathlon at the event for India as he clinched the bronze medal. Despite battling through a knee injury that had disrupted his preparations, the 27-year-old managed to push through and clinch another medal for India. In one of the most resilient performances that lasted across two days and 10 events, Shankar managed to accumulate 7,976 points to his name. It is worth noting that Grenada's Lindon Victor won the gold medal at the event with 8096 points. Furthermore, Canada's Damian Warner won the silver medal with 8036 points, while Tejaswin Shankar won the bronze medal and scripted history, adding to the medal tally of the Indian contingent. It is worth noting that Tejaswin Shankar's campaign was derailed in the early stages as a knee injury forced him to pull out of the high jump event. Uncertainties were cast on his participation for the rest of the event. However, he pushed through and managed to get a medal for India. In the 100m sprint, Shankhar ended up finishing in last place in heat with a time of 10.96 seconds. However, he managed to turn it around in the long jump event, recording a personal best effort of 7.82m. He finished in 7th place in shot put and became the only athlete to cross the 2m barrier in the high jump event. Furthermore, he clocked in an effort of 49.51 seconds to finish in fourth place in the 400m race heat. As day 2 came around, he placed second place in the hurdles and set a personal best of 40.44 m and finished in sixth place in the discus throw event. He then finished in eighth place in the pole vault event but scripted an unreal comeback with a 53.12 m effort in the javelin throw event, catapulting himself into third place in the standings. Shankar's achievement is particularly significant for Indian athletics, as the decathlon is regarded as one of the toughest disciplines in track and field, demanding excellence across sprints, jumps, throws and endurance events.

By becoming the first Indian man to win a Commonwealth Games medal in the event, he has broken new ground and inspired a new generation of multi-event athletes in the country.

Asmita Dey, Harsh Singh win historic golds in Judo at Commonwealth Games 2026

India's medal tally at the Commonwealth Games (CWG) 2026 in Scotland's Glasgow continued to increase on Friday after judoka Harsh Singh won a gold for the country in men's 60 kg category. Singh defeated Australia's Joshua Katz to win this historic gold medal. Notably, his victory came just moments after Asmita Dey won a gold medal in women's 48 kg category, defeating Canada's Heidi Quach. With Singh's victory, India's gold medal tally at the ongoing Commonwealth Games has increased to six. Singh's victory came just shortly after Asmita Dey won India's first gold medal in Judo, which was introduced in the 1990 Auckland Commonwealth Games. Since its introduction, Indian judokas have won medals at all editions but never managed to secure a top-of-the-podium finish. Dey, the 23-year-old judoka who hails from Tripura, won her medal against Canada's Heidi Quach in the 48 kg category. Prime Minister Narendra Modi congratulated Singh and Dey, and said their victories is a proud moment for India. "Historic Day for Indian Judo! Congrats to Harsh Singh for winning a Gold." he said in another post.

Michael Vaughan weighs in on Stephen Fleming's absence from upcoming Pakistan series

The ECB (England and Wales Cricket Board) came forward and named former New Zealand cricketer Stephen Fleming as their new Test head coach. The decision was made after Brendon McCullum stepped down from his role, bringing the Bazball era to an end. It is worth noting that Fleming will not be joining England for the upcoming three-game series against Pakistan but will instead join in December. The series against Pakistan will begin on August 19 with the first Test taking place at Headingley in Leeds. Speaking on the same, former England cricketer Michael Vaughan took centre stage and talked about how Fleming should have joined for the upcoming series against Pakistan. Furthermore, the second Test will be held at Lord's Cricket Ground from August 27.

Vaibhav Sooryavanshi named vice-captain as East Zone announce Duleep Trophy squad

East Zone have named a 15-member squad for the upcoming Duleep Trophy, starting August 23. Ishan Kishan has been announced as the new captain, while Vaibhav Sooryavanshi will serve as his deputy. Meanwhile, Riyan Parag, who served as captain in the 2025 edition, has been ruled out owing to a hamstring injury. The Assam-born suffered a hamstring injury during the IPL 2026 and has undergone surgery in the month of June. He remains to be out of action as there's no concrete plan for his possible return. After gaining fitness, he is expected to report to BCCI's CoE. Sooryavanshi, on the other hand, has been given the leadership role as BCCI aims to prepare him accordingly. The 15-year-old has led the team in the youth series against South Africa and was also named as the vice-captain during the U19 ODI World Cup earlier in the year. Mohammed Shami has been knocking on the door for over a year now. He has proved his mettle in domestic cricket, but the BCCI selectors haven't looked back on the veteran. Especially in red-ball cricket. Chief selector Ajit Agarkar has pointed to his fitness as a sign of concern, but Shami looked in fine form in the Ranji Trophy last season. Now that the Indian team is struggling in red-ball cricket, having lost multiple home series in the last couple of years, Shami could be one of the options they consider again if the two-match series against Sri Lanka don't go as per the plan. On the other hand, Mukesh Kumar also has the perfect opportunity to prove himself, as the Bengal pacer has been out of the scheme of things since the series against England. Meanwhile, another notable absentee is Akash Deep. He suffered a back injury during the IPL and has been out of action since.

Commonwealth Games 2026: Neeraj Chopra wins silver, Yash vir Bronze in javlin

Neeraj Chopra headlines the men's javelin throw final at the Commonwealth Games 2026 in the early hours of August 1. Apart from Neeraj. India's Rohit Yadav and Yash Vir Singh have also progressed for the 12-man medal event. Pakistan's Arshad Nadeem also advanced, setting up another much-anticipated showdown between him and Neeraj. The qualification round produced few big throws as gusty winds and cold conditions made life difficult for athletes. Chopra did just enough to advance, registering 79.61m to finish fifth overall before shutting down his campaign for the day. Rohit and Yash progressed with 78.37 and 78.36, respectively. They ensured India became the only country to have all three of its entrants reach the 12-man final. Nadeem, meanwhile, qualified comfortably with a season-best 78.63m. The medal event is expected to revolve around Chopra and Nadeem, whose rivalry has become one of the sport's biggest attractions. However, India's strength in depth through Rohit and Yash Vir Singh gives the country three chances to challenge for the podium. India will be hoping Chopra can reclaim the Commonwealth Games title he won in 2018, while Nadeem will chase his second CWG gold. He is the defending champion.

Preeti Pawar, Ankush Panghal reach boxing final at CWG 2026

The Indian contingent continues to soar high at the Commonwealth Games 2026, with boxers Preeti Pawar and Ankush Panghal reaching the final of their respective boxing events; another medal has been assured for India at the Games. World number three Preeti Pawar put forth a marvellous showing and made her way into the women's 54kg final. She defeated Zambia's Catherine Mwape with a 5-0 decision. While the opening round began with the two stars exchanging punches evenly, Pawar took command of the clash after the first few minutes. The five judges ended up awarding every single round to Preeti as the game ended with a score of 30-25, 30-25, 30-26, 30-24, and 30-25. Additionally, the Indian team qualified on time in the mixed 4x400m relay race as well.

सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है दालचीनी, मेथी और हल्दी का मिश्रण, मिल सकते हैं ये बेनिफिट्स

भारतीय रसोई में पाए जाने वाले मसाले केवल स्वाद बढ़ाने के काम नहीं आते, बल्कि ये औषधीय गुणों का खजाना हैं। जब दालचीनी, मेथी और हल्दी को एक साथ मिलाया जाता है, तो यह मिश्रण शरीर के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं होता। तीनों ही मसालों में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण प्रचुर मात्रा में होते हैं। अगर आप इस नेचुरल कॉम्बिनेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो आपको सेहत से जुड़े कई बेमिसाल फायदे मिल सकते हैं। यहां हम आपको इसके हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बताने जा रहे हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह मिश्रण बेहद फायदेमंद माना जाता है। दालचीनी शरीर में इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाती है, जबकि मेथी के बीज में मौजूद घुलनशील फाइबर शर्करा के अवशोषण को धीमा कर देते हैं। हल्दी का 'कर्क्यूमिन' घटक ब्लड ग्लूकोज लेवल को संतुलित रखने में मदद करता है। पेट से जुड़ी समस्याओं जैसे गैस, ब्लोटिंग, अपच और कब्ज में यह मिश्रण बहुत राहत देता है। मेथी पेट की आंतों को साफ करने और टॉक्सिन्स बाहर निकालने का काम करती है। वहीं, हल्दी और दालचीनी पाचन एंजाइम्स को एक्टिव करते हैं, जिससे खाना आसानी से पचता है। उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों का दर्द या गठिया एक आम समस्या बन जाती है। हल्दी में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की अंदरूनी सूजन को कम करते हैं। दालचीनी और मेथी के साथ मिलकर यह मिश्रण हड्डियों और मांसपेशियों के दर्द से नेचुरल तरीके से राहत दिलाने में मदद करता है। अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो यह मिश्रण मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद कर सकता है। मेथी का सेवन करने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती, जिससे ओवरईटिंग से बचाव होता है।

सिर्फ गैस-एसिडिटी ही नहीं, बल्कि इन हेल्थ प्रॉब्लम्स से भी छुटकारा दिलाने में फायदेमंद है अजवाइन

जवाइन सिर्फ आपकी रसोई का एक मसाला नहीं, बल्कि आयुर्वेद का एक बेहतरीन खजाना है। अक्सर लोग इसे केवल पेट दर्द, गैस या एसिडिटी से राहत पाने के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटी सी दिखने वाली अजवाइन कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में भी उतनी ही कारगर है। इसका नियमित इस्तेमाल कर आप कई तरह की बीमारियों से खुद को बचा सकते हैं। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं इसके क्या क्या फायदे हैं। अजवाइन में थाइमोल नाम का तत्व पाया जाता है, जिसमें एंटी-बैक्टीरियल और सूजन-रोधी गुण होते हैं। यदि आपको सर्दी, खांसी, बंद नाक या अस्थमा की शिकायत है, तो अजवाइन का पानी या इसे भूनकर ली जाने वाली भाप सांस की नली को साफ करने में बहुत मदद करती है। उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों और घुटनों में दर्द होना आम बात है।

अजवाइन के एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण जोड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में असरदार हैं। अजवाइन के तेल की मालिश करने से या इसके काढ़े का सेवन करने से गठिया के दर्द में राहत मिलती है। अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो अजवाइन आपके लिए एक नेचुरल फैट बर्नर की तरह काम कर सकती है। सुबह खाली पेट अजवाइन का गुनगुना पानी पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे कैलोरी तेजी से बर्न होती है और वजन नियंत्रित रहता है।

अजवाइन में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है और मौसम बदलने पर होने वाले तरह-तरह के संक्रमणों से बचाती है।

पीरियड्स के दौरान होने वाले पेट के निचले हिस्से और कमर के दर्द में अजवाइन बेहद फायदेमंद है।

गुनगुने पानी के साथ अजवाइन लेने से पेट की ऐंठन और दर्द तुरंत कम होता है। मुंह की बदबू, दांत दर्द या मसूड़ों की सूजन में अजवाइन के पानी से कुल्ला करने पर तुरंत आराम मिलता है।

इसके अलावा, अजवाइन का पेस्ट लगाने से चेहरे के मुंहासे और एक्जिमा स्किन प्रॉब्लम्स से छुटकारा दिलाने में सहायक हैं। रात को एक चम्मच अजवाइन एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें और सुबह इसे उबालकर छान लें। इस गुनगुने पानी को खाली पेट पिएं। इसके अलावा आप इसे भूनकर चुटकी भर काले नमक के साथ भी खा सकते हैं।

गर्दन पर परफ्यूम लगाना बंद कर दें, हो सकता है कैंसर का खतरा

परफ्यूम की खुशबू लोगों को काफी पसंद होती है, लोग रोजाना इसका इस्तेमाल करते हैं। ज्यादातर लोग गर्दन के पास परफ्यूम स्प्रे करते हुए दिख जाएंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं ऐसा करना सेहत के लिए ठीक नहीं है। परफ्यूम में काफी ज्यादा केमिकल होते हैं और इसका रोजाना इस्तेमाल खासतौर से गर्दन पर गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के पैथोलॉजी विभाग में पीएचडी की स्टूडेंट ने इसके बारे में लोगों को सचेत करते हुए एक वीडियो शेयर किया है। रिसर्च स्टूडेंट एना कैनादास ने इंस्टाग्राम पर शेयर वीडियो में लोगों को चेतावनी दी है और कहा कि अपनी गर्दन पर परफ्यूम छिड़कना बंद करें। क्योंकि आपको नहीं पता कि इस खुशबू के चक्कर में सैकड़ों हानिकारक तत्व आपके शरीर में जा रहे हैं। खतरा परफ्यूम में इस्तेमाल होने वाले तत्वों से पैदा होता है, जिनमें 'फॉर्मेल्डिहाइड-रिलीज करने वाले उत्पाद, थैलेट और वाष्पशील कार्बनिक यौगिक' शामिल हैं, जो सभी एंडोक्राइन डिसरप्टर हैं। कैंसर शोधकर्ता ने एंडोक्राइन सिस्टम पर इनके प्रभाव को समझाते हुए बताया कि ये हमारे हार्मोनों की नकल करते हैं या उन्हें रोकता है। इतना ही नहीं, कई रिसर्च में इसे बांझपन, सांस संबंधी समस्याओं या यहां तक कि कैंसर से भी जोड़ा गया है।

परफ्यूम में सिर्फ सुगंध का जिक्र किया जाता है और हानिकारक चीजों को छुपा लिया जाता है। ऐसा नहीं है कि हर परफ्यूम हानिकारक है या परफ्यूम लगाने से सीधे कोई बीमारी होती है, लेकिन ये बात समझने की जरूरत है कि इनडायरेक्ट इसके 2-3 बड़े नुकसान सामने आते हैं। इससे दो मुख्य समस्याएं हो सकती हैं। पहला कि जब हम स्प्रे करते हैं तो इससे सांस के साथ अंदर ऐसे यौगिक जाते हैं जो सीधे शरीर में चले जाते हैं।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने बताया, अच्छी गट हेल्थ के लिए वो रोज सुबह क्या खाते हैं? आप भी कर सकते हैं डाइट में शामिल

सुबह की सही और संतुलित डाइट से गट हेल्थ को बेहतर बनाया जा सकता है।

डबल बोर्ड-सर्टिफाइड फिजिशियन, इंटरनल मेडिसिन और गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एक्सपर्ट डॉ. जोसेफ सलहब ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बताया है कि वो सुबह के समय ऐसी चीजों का सेवन करते हैं जो गट हेल्थ को बेहतर बनाने में मददगार है।

उनके अनुसार ये फूड्स, पाचन तंत्र को बेहतर रखने, आंतों के अच्छे बैक्टीरिया को सपोर्ट करने और ओवरऑल गट हेल्थ को मजबूत बनाने में मदद कर सकती हैं।

अगर आप भी कब्ज, ब्लोटिंग या बार-बार होने वाली पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं, तो डॉक्टर द्वारा बताए गए इन फूड्स को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बेरीजः ब्लूबेरी में फ्लेवोनोइड्स नाम के कंपाउंड होते हैं, जो दिमागी कामकाज को बेहतर बनाने और उम्र के साथ होने वाली दिमागी गिरावट से बचाने में मदद करते हैं। ब्लूबेरी में फाइबर होता है, जो पाचन को ठीक रखता है और कब्ज से बचाने में मदद कर सकता है। ब्लूबेरी में पाए जाने वाले टेरोस्टिलबीन (pterostilbene) के बारे में पता चला है कि यह ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन से होने वाले लिवर के नुकसान को कम करता है। यह कंपाउंड लिवर के कामकाज को बेहतर बनाने और लिवर की बीमारी के खतरे को कम करने में भी मददगार पाया गया है।

नट्सः नट्स में हेल्दी फैट्स होते हैं, जैसे ओमेगा-3 फैटी एसिड और मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स, जो दिमागी कामकाज को बेहतर बनाने और दिमागी गिरावट के खतरे को कम करने में मदद करते हैं। कुछ स्टडीज़ से यह भी पता चला है कि नट्स उम्र के साथ होने वाली दिमागी बीमारियों, जैसे अल्जाइमर, से बचाने में मदद कर सकते हैं। ये कोलन कैंसर से बचाने में भी मददगार पाए गए हैं। इनमें विटामिन E भी होता है, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से होने वाले नुकसान से लिवर की रक्षा करता है।

कैफीनः कैफीन भी दिमागी गिरावट और अल्जाइमर के खतरे को कम करने में मददगार पाया गया है। इसका लैक्सेटिव असर भी होता है, जो कब्ज से बचाने में मदद कर सकता है।

आपकी उम्र में रोज कितना चलना सेहत के लिए अच्छा माना गया है, जान लेंगे तो बने रहेंगे हमेशा फिट

सबसे आसान एक्सरसाइज अगर कुछ है तो वो है वॉक। जी हां वॉक किसी भी उम्र में किया जाने वाला सबसे आसान व्यायाम है। वॉक करने से न सिर्फ मोटापा कम होता है बल्कि कई बीमारियां भी शरीर से दूर भाग जाती हैं।

वैसे तो एक इंसान को दिन में 10 हजार कदम चलने की सलाह दी जाती है, जिसे पूरा करने के लिए आपको रोजाना कम से कम 1 घंटा वॉक करना जरूरी है। लेकिन उम्र के हिसाब से वॉक आपके लिए कम या ज्यादा भी हो सकती है। आइये जानते हैं कि आपकी उम्र में आपको रोज कितनी देर वॉक करनी चाहिए। जिससे आप लंबे समय तक बीमारियों के खतरे को दूर रख सकें और शरीर को फिट बना सकें? अपने शरीर को फिट रखने के लिए दिन में किसी भी वक्त थोड़ा समय जरूर निकालें। फिटनेस एक्सपर्ट मानते हैं कि सुबह या शाम की गई वॉक सेहत के लिए सबसे ज्यादा असरदार होती है। वॉक एक ऐसा वर्कआउट है जिसे बिना किसी टूल या जिम के आप खुद से कहीं भी कर सकते हैं। किसी भी उम्र के लोग इसे आसानी से कर सकते हैं। उम्र के हिसाब से अगर बात करें तो 5 से 7 साल के जो बच्चे हैं उन्हें रोजाना कम से कम 12000 से 15000 स्टेप्स जरूर चलने चाहिए। अगर आप 18 से 40 साल के युवा हैं तो आपको हर रोज कम से कम 12000 कदम जरूर चलने चाहिए। 40 साल के इंसान को रोजाना करीब 11000 कदम जरूर चलने चाहिए। वहीं 50 साल के इंसान को रोज 10000 कदम चलने चाहिए। 60 साल के पार पहुंच चुके हैं तो आपको 8000 कदम पूरे दिन में पूरे करने चाहिए।

खून में घुले प्यूरिन को छानकर बाहर निकालता है ये काला बीज

यूरिक एसिड बढ़ने से जोड़ों में दर्द होना, उंगलियों में सूजन और पैरों और हाथों की उंगलियों में चुभन वाला दर्द होने लगता है। ऐसे में दवाइयों के साथ-साथ कुछ घरेलू नुस्खों को आजमाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। बता दें, अलसी का बीज यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में कारगर है। जानें, अलसी का बीज किस तरह से यूरिक एसिड को कंट्रोल करता है, इसका सेवन किस समय और कितना करना चाहिए ये भी बताएंगे। अलसी के बीज में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। यही पोषक तत्व शरीर में बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने का काम करते हैं। अलसी के तेल में एंटी इन्फ्लामेट्री गुण होते हैं जो हाई यूरिक एसिड के कारण होने वाले दर्द में मदद कर सकते हैं। अलसी के बीज वजन को घटाने में कारगर हैं। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर और प्रोटीन होता है। अगर आप इन्हें खाएंगे तो ये आपकी भूख को कंट्रोल करने में मदद करेगा। बहुत की कम लोग इस बात को जानते होंगे कि अलसी में मौजूद फाइबर पाचन की प्रक्रिया को धीमा कर देती है। इससे हार्मोन नियंत्रित रहता है जो आपकी भूख को शांत करने का काम करता है। लिहाजा आपका पेट भरा-भरा लगता है और वजन अपने आप घटने लगता है।

नसों में जम रहे खून को पतला कर देंगी ये 5 चीजें, नहीं होगी ब्लड क्लॉटिंग, हार्ट अटैक का खतरा भी होगा कम

हार्ट अटैक के खतरे को दूर करना है तो शरीर में ब्लड फ्लो का सही होना बहुत जरूरी है। खून के गाढ़ा होने से और ज्यादा पतला होने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। ये दोनों परिस्थितियां आपके लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। अगर खून गाढ़ा हो जाए तो इससे ब्लड क्लॉटिंग का खतरा बढ़ता है।

जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इस कंडीशन को थ्रोंबोसिस कहते हैं जो एक गंभीर समस्या है। इसमें हार्ट में खून के थक्के बनने लगते हैं।

जो हार्ट अटैक के जोखिम को बढ़ाता है। इसलिए आपको डाइट में कुछ ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए जिससे नेचुरली आपका खून पतला हो सके। आइये जानते हैं कौन सी ऐसी चीजें हैं जो बिना दवा के भी खून को पतला बनाती हैं?

लहसुन खाएं- लहसुन को खून पतला करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। लहुसन में एलिसन नामक तत्व होता गै जो खून को पतला बनाता है और ब्लड क्लॉटिंग की समस्या को रोकता है। नियमित रूप से लहसुन का सेवन से हाई, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के मरीज के लिए अच्छा माना जाता है।

अदरक का सेवन- ब्लड थिनर के लिए अदरक का इस्तेमाल भी किया जाता है। सर्दियों में डाइट में अदरक जरूर शामिल करें। अदरक खाने से खून पतला होता है। अदरक में सैलिसिलेट्स होते हैं, जो ब्लड क्लोटिंग की समस्या को कम करते हैं। अदरक में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जिससे सूजन कम होती है और ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है।

हेल्दी शरीर के लिए एक दिन में इतने मिनट चलना है ज़रूरी

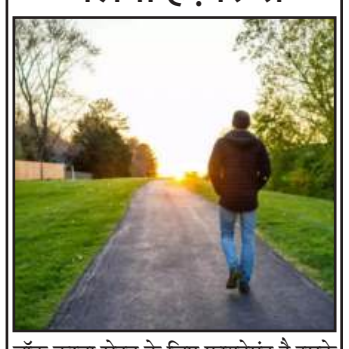

वॉक करना सेहत के लिए फायदेमंद है इसके बावजूद ज्यादातर लोगों को वॉक के नाम पर आलस आता है। वॉक आपकी बेहतरीन सेहत के लिए बेहद ज़रूरी है। वॉक से आप सिर्फ बाहरी रूप से ही फिट नहीं होते हैं बल्कि आपको अंदर से भी मजबूत मिलती है। कई बार लोग 10-15 मिनट की वॉक करते हैं और उन्हें लगता है एक्सरसाइज़ का टास्क पूरा हो गया। हम आपको बता दें, 10-15 मिनट की वॉक से शरीर को कोई फायदा नहीं होता है, न इससे वजन कम होता है और न ही अन्य फायदे मिलते हैं। साथ ही वॉक के दौरान कुछ लोग ऐसी गलतियां करते हैं जो भूलकर भी नहीं करनी चाहिए। चलिए जानते हैं अपने आपको फिट रखने के लिए एक दिन में कितने मिनट की वॉक करनी चाहिए। साथ ही किन गलतियों को दोहराने से बचना चाहिए? अगर आप हेल्दी और फिट रहना चाहते हैं तो एक दिन में कम से कम 30 से 45 मिनट तक वॉक करें। दरअसल, 5 से 10 मिनट वॉक करने से शरीर पर कोई ख़ास असर नहीं होता है लेकिन जब आप 20 से 25 मिनट तक लगातार एक स्पीड पर वॉक करते हैं तो इससे पल्स रेट बढ़ जाती है। यानी आपको इतना फास्ट चलना है कि पल्स रेस्ट 100 तक जाए। जब दिल की धड़कन 100 के ऊपर जाए तब उसके बाद 20 मिनट तक चलना है। वॉक करने से हमारे शरीर को कई तरह के फायदे मिलते हैं।

मोटापे की कट्टर दुशमन है दलिया, डाइट में शामिल करते ही मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

दलिया का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। विटामिन और प्रोटीन से भरपूर दलिया खाने से न केवल वजन कम होता है बल्कि आप कई बीमारियों से दूर रहेंगे। बता दें, मोटे अनाज के दानेदार चूरे को दलिया कहते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व लो कैलोरी, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, थायमिन, फोलेट, पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, जिंक, मिनरल्स, विटामिन और आयरन हेल्दी और स्वस्थ बनाते हैं। अगर आप अपनी डाइट में सिर्फ एक कटोरी दलिया का सेवन करते हैं तो इससे आपकी सेहत को क्या क्या फायदे हो सकते हैं चलिए हम आपको बताते हैं।

सेहतमंद दिलः दलिया में मौजूद फाइबर, प्रोटीन, और एंटीऑक्सीडेंट दिल की सेहत के लिए फायदेमंद हैं।

वजन होगा कमः अगर वजन तेजी से बढ़ रहा है तो डाइट में दलिया ज़रूर शामिल करें। दलिया फाइबर से भरपूर होता है और वजन को कम करने में मदद करता है। इसके सेवन से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है।

डायबिटीज कंट्रोलः दलिया में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स पाया जाता है जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसका सेवन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

जिद्दी चर्बी को पिघला देगा अमरूद का पत्ता, ऐसे करेंगे इस्तेमाल तो होगा तेजी से फायदा

मोटापे से परेशान लोगों को व्यायाम के साथ डाइट और कुछ घरेलू उपायों का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे तेजी से वजन घटाने में मदद मिलती है। मोटापा कम करने के लिए आप अमरुद का उपयोग कर सकते हैं। अमरूद के पत्तों का इस्तेमाल वजन घटाने में काफी असरदार साबित होता है। दरअसल अमरुद के पत्ते कैलोरी फ्री होते हैं और इन्हें खाने के काफी देर तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में आप कुछ भी उल्टा पुल्टा खाने से बचते हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने के लिए कैसे करें अमरूद के पत्तों का इस्तेमाल? वैसे तो अमरुद के पत्तों को आप ऐसे भी खा सकते हैं। लेकिन अगर आपको अमरूद के पत्तों का स्वाद पसंद नहीं है तो आप अमरुद के पत्तों से चाय बनाकर भी पी सकते हैं। अमरुद के पत्तों से बनी चाय का सेवन आप सुबह सुबह खाली पेट करें। इससे आपके शरीर पर असर दिखना शुरू हो जाएगा। सबसे पहले अमरुद की लगभग 5-6 पत्तियों को अच्छी तरह से धो लें। अब एक बर्तन में गिलास पानी डालें और इसमें अमरूद के पत्ते डाल दें। अब इसे 10 मिनट तक अच्छी तरह से उबालें। जब पानी आधा रह जाए तो इसे छान लें और चाय की तरह सेवन करें। अमरुद के पत्तों में एंटीबैक्टीरियल और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं जो गैस्ट्रिक अलसर से बचाते हैं। अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल दस्त या डायरिया में फायदेमंद साबित होता है। इसके अलावा पुरानी खासी, खुजली जैसी परेशानियों में भी अमरूद के पत्ते असरदार साबित होते हैं। अमरुद के पत्तों का उपयोग कोलेस्ट्रॉल घटाने के लिए भी किया जाता है।

इससे ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर होता है। हार्ट और डायबिटीज के रोगियों के लिए भी अमरूद के पत्ते फायदेमंद साबित होते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ अमरूद के पत्तों की चाय पीने से वजन तेजी से कम होने का दावा वैज्ञानिक रूप से पूरी तरह प्रमाणित नहीं है। वजन घटाने का सबसे प्रभावी तरीका संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना है। अमरूद के पत्तों का सेवन इन उपायों के साथ एक पूरक के रूप में किया जा सकता है। अमरूद के पत्तों में मौजूद पॉलीफेनॉल, फ्लेवोनॉयड्स और एंटीऑक्सीडेंट शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद कर सकते हैं। कुछ शुरुआती अध्ययनों से यह भी संकेत मिले हैं कि ये कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण को धीमा करने और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन इस विषय पर अभी और व्यापक शोध की आवश्यकता है। गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति या नियमित दवाइयां लेने वाले लोग इसका नियमित सेवन शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक या योग्य आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें।

"मैं बहुत शर्मिंदा हूं", PM मोदी के खिलाफ अभद्र कमेंट्स करने वाली लड़की ने पूरे देश से मांगी माफी

दिल्ली। जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाली लड़की ने माफी मांगी है। उसने कहा कि मैं अपनी बातों के लिए बहुत शर्मिंदा हूं। अपना वीडियो जारी कर लड़की ने कहा कि वो उसकी पहली और आखिरी गलती थी, वो आगे से ऐसा कुछ भी नहीं करेगी। उसने कहा, "मैं अपने दोस्तों के साथ सीपी गई थी, जहां पर प्रोटेस्ट हो रहा था। मैंने वहां कोक पी, वहां बहुत सारे ग्रुप्स बने हुए थे, जो प्रधानमंत्री जी को गालियां दे रहे थे। मैं भी उन लोगों के बहकावे में आ गई थी और मैंने ये सब बोल दिया। मैं अभी मात्र 15 साल की हूं, मैंने जो किया वो माफी के लायक नहीं है। मैंने बहुत गंदी बातें बोली हैं। लेकिन ये मेरी पहली और आखिरी गलती होगी, इसके बाद मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगी।" वीडियो में लड़की ने आगे कहा, "मैं पूरे देश से माफी मांगती हूं, मैं इतनी शर्मिंदा हूं कि अपनी नजर भी नहीं उठा पा रही हूं। मैं सबसे माफी मांग रही हूं, मुझे कृपया माफ कर दीजिए।" लड़की के खिलाफ नोएडा के एक्सप्रेसवे थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है, जिसकी जांच के लिए एफआईआर नोएडा पुलिस ने दिल्ली पुलिस को सौंप दिया है। आरोपी लड़की का नाम रुचिका सिंह है, जिसकी उम्र 25 से 28 साल के बीच है।

गुजरात में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट, महाराष्ट्र से लेकर असम तक झमाझम बरसेंगे बादल

एक अगस्त को भारत के कई हिस्सों में मानसून के सक्रिय रहने की उम्मीद है और मौसम विभाग (IMD) ने कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। उत्तर, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में तेज बारिश हो सकती है। गुजरात, मध्य प्रदेश, केरल, असम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में भारी बारिश के साथ-साथ आंधी-तूफान भी आ सकता है। मौसम विभाग के ताज़ा पूर्वानुमान के बाद गुजरात के 13 ज़िलों में भारी बारिश के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। जबकि 7 ज़िलों में भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। एक अगस्त को गुजरात के अहमदाबाद, आनंद, सुरेंद्रनगर, राजकोट, भावनगर और बोटाद ज़िलों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने सुरेंद्रनगर, राजकोट, अमरेली, बोटाद, भावनगर, अहमदाबाद, मेहसाणा, गांधीनगर, साबरकांठा, अरावली, खेड़ा, महीसागर, आणंद, पंचमहल, दाहोद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड ज़िलों में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बनासकांठा, पाटन, कच्छ, मोरबी, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ और दीव के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

गुजरात पुलिस ने भरूच में 540 पेंटाजोसिन इंजेक्शन जब्त किए

भरूच। गुजरात पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने भरूच जिले में एक किराए की दुकान से 540 प्रतिबंधित पेंटाजोसिन लैक्टेट इंजेक्शन जब्त किए हैं और बिना जरूरी मंजूरी के इस प्रिस्क्रिप्शन वाली दवा को रखने और बेचने के आरोप में 31 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एएनटीएफ वड़ोदरा जोन ने भरूच के बी डिवीजन पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में की। यह कार्रवाई नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत प्रतिबंधित नशीले और साइकोट्रोपिक पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी को रोकने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन का हिस्सा थी। एएनटीएफ के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों ने वड़ोदरा जोन में प्रतिबंधित पदार्थों के अवैध व्यापार के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया था। छापेमारी के दौरान, टीम ने सरफराज अहमद को गिरफ्तार किया, जो कबाड़ का व्यापारी है और अभी अंकलेश्वर में सीफी हाइट्स में रह रहा है। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 53,480 रुपए आंकी गई है।

'मैं बच्चों को माफ करना चाहता हूं, बचपन में गलतियां होती हैं', PM मोदी ने जारी किया नया वीडियो

PM मोदी ने आज (शुक्रवार को) सोशल मीडिया पर नया वीडियो जारी किया है। यह वीडियो बच्चों के नाम है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने नए वीडियो में कहा कि मैं बच्चों को माफ करना चाहता हूं। मैं बच्चों को अदालत का चक्कर नहीं कटवाना चाहता हूं। बचपन में गलतियां होती हैं। मैं आपके आक्रोश को समझता हूं। गुमराह को राह दिखाना कठिन लेकिन मैं ये काम करूंगा। GenZ के नाम संदेश में PM मोदी ने कहा, 'हाय फ्रेंड्स, आज तो मन करता है बस आपसे ही बातें करूं। जंतर-मंतर पर जो कुछ भी हुआ देश और दुनिया ने देखा है। कुछ शरारती बच्चों ने भद्दी-भद्दी गालियां बोलीं। किसी भी सभ्य समाज को शोभा ना दे, ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया। मुझे तो गालियां दी गईं, मेरी स्वर्गीय माता को भी गालियां दी गईं। ना जाने कितना भद्दा स्वरूप था।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'लेकिन, मैं आज बात करना चाहता हूं कि बचपन में गलतियां होती हैं। और बचपन में गलतियों से सुधरने का अवसर भी होता है। और यही तो बचपना है। और इसलिए, मैं समाज के अंदर, जो आक्रोश है उसको भली भांति समझ सकता हूं। एक कल्चरल शॉक है कि हमारी बेटियां इस प्रकार की भाषा कैसे बोल सकती हैं। लेकिन समय है, इन बच्चों को गले लगाकर के, राह दिखाने का। ये गुमराह बच्चे हैं। उनको राह दिखाना हमारा काम है। उनको सजा देना, अदालतों के चक्कर कटवाना, समाज में उनको प्रताड़ित करना, इससे हम परिस्थितियां नहीं बदल पाएंगे।'

PM मोदी ने आगे कहा, 'मैं उन्हें माफ करना चाहता हूं। समाज भी मेरी इस बात को स्वीकार करे। क्योंकि मेरे मन में एक ही भाव है। कभी-कभी, दांतों तले हमारी जीभ आ जाती है, खून निकल आता है। लेकिन हम दांत तोड़ते नहीं हैं, क्योंकि दांत भी हमारे हैं, जीभ भी हमारी है। बच्चे भी हमारे हैं। उन्हें राह दिखाना हमारा काम है। गुमराह को राह दिखाना कठिन होता है, लेकिन कठिन काम हमको करना है।' आखिर में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'और इसलिए, आओ, मैं इन बच्चों को कहता हूं, बच्चों आओ, हम देश के लिए साथ मिलकर के आगे बढ़ें।

कुछ नया सीखें। गलतियों से भी सीखें, अपने सपनों को लेकर के चल पड़ें। देश बहुत आगे बढ़ रहा है, आगे बढ़ने वाला है। और आपका भी आगे बढ़ना निश्चित हो, यही मेरा सपना है। मैं आपके लिए जीता हूं। आपके उज्जवल भविष्य के लिए खपता हूं। आओ, हम मिलकर के, देश को आगे बढ़ाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद दोस्तों। बस आओ, गलतियों से सीखो, आगे बढ़ो।' एक दिन पहले भी PM मोदी ने वीडियो पोस्ट किया था और उसमें बताया था कि संसद ने एक ऐसा बिल पास किया गया है जो हमारी परीक्षा प्रणाली को मजबूत बनाएगा।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में युवाओं से सकारात्मक सोच अपनाने और अपनी ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनका भविष्य सुरक्षित तथा उज्ज्वल बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे निराशा या भटकाव के बजाय शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करें।

यूपी STF को मिली बड़ी कामयाबी, राजस्थान से दबोचा SSC परीक्षा धांधली मामले का वांटेड लोकेश

परीक्षा धांधली मामले में वांटेड को पकड़ने में UP STF को बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल, कर्मचारी चयन आयोग यानी SSC की तरफ से आयोजित ऑनलाइन परीक्षा सीएपीएफ और एसएसएफ में कॉन्स्टेबल (सामान्य ड्यूटी) और असम राइफल में राइफलमैन परीक्षा-2026 में धांधली करने वाले गिरोह के वांटेड अभियुक्त लोकेश को UP STF ने गिरफ्तार कर लिया है। UP STF ने आरोपी लोकेश को राजस्थान के अलवर से अरेस्ट किया है। अभियुक्त लोकेश के पास से 63 बनी हुई, 20 बिना बनी हुई, 9 खुली हुई (रेसबेरीपाई इन्स्टाल) TFT Screen बरामद हुई हैं। कुल मिलाकर UP STF ने 92 TFT Screen, 45 वीजीए कार्ड, 20 वीजीए टू एचडीएमआई कार्ड और 15 टाइप सी केबल रिकवर किए। इसके अलावा, UP STF को लोकेश के पास से 14 रेसबेरीपाई, 12 मेमोरी कार्ड, 10 यूएसबी टू यूएसबी केबल, 5 वीजीए स्विच, 4 आयरन सोल्डर व सामान, कॉपर वायर, 1 लैपटॉप लेनेवो मय चार्जर, 1 स्क्रू ड्राइवर, 01 अदद ग्लू गन, एक पैकेट वीजीए केबल, 2 पैकेट वाईफाई डॉन्गल और 1 पैकेट हीट सिंक भी मिले हैं। STF को आशंका है कि बरामद इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग ऑनलाइन भर्ती परीक्षाओं में टेक्निकल तरीके से धांधली करने के लिए होता होगा। STF अब जब्त किए गए सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच कराएगी, ताकि पूरे गिरोह और उससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में पता चल सके। UP STF अधिकारियों के मुताबिक, लंबे समय से फरार आरोपी लोकेश की लोकेशन के बारे में पता चलने के बाद टीम ने राजस्थान के अलवर में दबिश दी और उसको गिरफ्तार कर लिया। अब उससे पूछताछ के माध्यम से गिरोह के अन्य मेंबर्स, फंडिंग और परीक्षा में धांधली के पूरे मॉड्यूल के बारे में मालूम किया जाएगा। इससे पहले पुलिस ने SI भर्ती परीक्षा 2021 के पेपर लीक के मामले के सरगना हर्षवर्धन मीणा के भाई पुष्पेंद्र कुमार मीणा को गिरफ्तार किया था। जानकारी मिली थी कि उसने अभ्यर्थी को पहले ही पेपर पढ़ा दिया था।

संसद में विपक्ष का ड्रामा...! पप्पू यादव बने पुजारी, राहुल गांधी ने डाला चंदा; फिर दानपात्र लेकर भागे MP

संसद परिसर में 'पुजारी' बने पप्पू यादव, राहुल गांधी ने दिया चंदा; विपक्ष ने सरकार को यूं घेरा

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र लगातार किसी न किसी वजह से गरमाया हुआ है। लेकिन संसद परिसर में आज एक ऐसा सियासी और अनोखा नजारा देखने को मिला, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में जमीन पर बैठे नजर आए, उनके पास एक दानपात्र रखा था और कांग्रेस नेता राहुल गांधी उसमें बाकायदा रुपये डालते दिखे। विपक्ष ने अयोध्या में राम मंदिर के कथित चढ़ावे की चोरी और संसद से गृह मंत्री अमित शाह की गैरमौजूदगी को लेकर यह तंजभरा 'शॉर्ट प्ले' पेश किया। विपक्षी सांसदों के इस अनोखे विरोध प्रदर्शन की पटकथा बेहद दिलचस्प और व्यंग्य से भरी थी। बता दें कि सांसद पप्पू यादव पुजारी का वेश धारण कर के जमीन पर दानपात्र के साथ जम गए। राहुल गांधी ने आगे बढ़कर दानपात्र में चंदा डाला, जिसके बाद पुजारी बने पप्पू यादव ने अयोध्या के सांसद के पैर छुए। चरण स्पर्श के तुरंत बाद पुजारी बने पप्पू यादव दानपात्र समेटकर अचानक वहां से भाग खड़े हुए। विपक्ष के मुताबिक, इस प्रतीकात्मक नाटक के जरिए वे अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में हुई कथित वित्तीय अनियमितताओं और चंदा चोरी के मुद्दे पर सरकार को घेर रहे थे। इस सियासी नाटक के दौरान पृष्ठभूमि में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाड्रा और इंडिया गठबंधन के तमाम बड़े नेता हाथों में पोस्टर्स लेकर मुस्तैद खड़े थे। पोस्टर्स पर बड़ा-बड़ा लिखा था कि गृह मंत्री अमित शाह संसद से गायब क्यों हैं? विपक्ष का आरोप है कि देश के इतने महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा चल रही है, लेकिन गृह मंत्री सदन से नदारद हैं। सांसद पप्पू यादव का यह कोई पहला अनोखा विरोध प्रदर्शन नहीं है। इससे पहले भी वह अपने अलग-अलग अवतारों से राजनीतिक गलियारों में सुर्खियां बटोर चुके हैं। कुछ ही समय पहले उन्होंने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में संसद भवन के बाहर शरीर पर पट्टियां बांधकर घायल और लाठीचार्ज पीड़ित का वेश धरकर विरोध जताया था। मई 2026 में पप्पू यादव पूर्णिया के जलालगढ़ स्थित एक प्राइवेट स्कूल में अचानक टीचर बनकर क्लासरूम में पहुंच गए थे। वहां मौजूद शिक्षक और बच्चे दोनों दंग रह गए थे।

PM मोदी से जुड़े कई मॉर्फ और आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट करने के मामले में एक्शन

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मेटा (Meta) के इंडिया हेड और कई Facebook और Instagram अकाउंट्स के खिलाफ दो मामले दर्ज किए हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मॉर्फ्ड (बदले हुए) और आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें फैलाने की इजाजत दी। फिलहाल दो मामले दर्ज कर पुलिस ने अब जांच शुरू कर दी है।

पहले मामले में, 29 साल के बिजनेसमैन एस. अरविंद रेड्डी ने आरोप लगाया कि Instagram ब्राउज करते समय उन्हें कई ऐसे मॉर्फ्ड और डिजिटल रूप से बदले गए वीडियो और तस्वीरें मिलीं, जिनमें प्रधानमंत्री को अश्लील, अपमानजनक और गुमराह करने वाले तरीके से दिखाया गया था। उनकी शिकायत के मुताबिक, इस कंटेंट में धर्मेंद्र प्रधान के साथ मोदी को अश्लील तरीके से दिखाने वाले बदले हुए विजुअल्स और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक एडिट की गई तस्वीर शामिल थी। शिकायत में यह भी कहा गया कि ऐसा लगता है कि इस कंटेंट को डिजिटल रूप से बदला गया था या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल करके बनाया गया था और सोशल मीडिया पर फैलाया गया था।

आरोप लगाया गया कि ऐसी पोस्ट जनता को गुमराह कर सकती हैं, गलत जानकारी फैला सकती हैं, नफरत या सार्वजनिक अशांति भड़का सकती हैं। सार्वजनिक शालीनता को ठेस पहुंचा सकती हैं, सार्वजनिक हस्तियों की बदनामी कर सकती हैं, कानून-व्यवस्था बिगाड़ सकती हैं और समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच दुश्मनी बढ़ा सकती हैं। वहीं दूसरे मामले में, तेलंगाना बीजेपी कार्यकर्ता और सोशल मीडिया CC सदस्य टी. साईकिरण गौड़ ने आरोप लगाया कि बुधवार को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय उन्हें फेसबुक और इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक रील्स और मॉर्फ की गई तस्वीरें मिलीं। साईं किरण ने उन अकाउंट्स की जांच की मांग की है जो कथित तौर पर ऐसा कंटेंट पब्लिश कर रहे हैं जो "भारत की संप्रभुता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक" है। पुलिस की अब तक हुई जांच के मुताबिक इनमें से अधिकांश वीडियो या तो डिलीट कर दिये हैं या फिर इंडिया में उन्हें देखा नहीं जा पा रहा है।

ED द्वारा बैंक खाते फ्रीज करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची TMC, 3 अगस्त को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने अपने तीन HDFC बैंक खातों को ED द्वारा फ्रीज किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। पार्टी ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 20 जुलाई 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें खातों को फ्रीज करने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच 3 अगस्त को कर सकती है। ED का आरोप है कि TMC के एक बैंक खाते से करीब 133.84 करोड़ रुपये केयरवेल एविएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भेजे गए। एजेंसी का कहना है कि यह रकम धन के गलत इस्तेमाल और कथित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी है। यह मामला 18 जून 2026 को पश्चिम बंगाल के विधायक बिस्वनाथ दास की शिकायत के बाद शुरू हुआ। शिकायत के आधार पर पुलिस ने FIR दर्ज की और 23 जून को ED ने PMLA के तहत जांच शुरू की। इसके बाद 7 जुलाई को ED ने कुल छह बैंक खाते फ्रीज किए, जिनमें TMC के तीन HDFC बैंक खाते भी शामिल थे। TMC का कहना है कि ED ने बिना ठोस सबूत के मनमाने तरीके से खाते फ्रीज किए हैं। पार्टी ने यह भी कहा कि 9 जुलाई को हाईकोर्ट की एक अन्य बेंच ने रोजमर्रा के खर्च चलाने के लिए विशेष अधिकारी की निगरानी में इन खातों के संचालन की अनुमति दी थी। इसलिए खातों को फ्रीज करने की कार्रवाई पहली नजर में उचित दिखाई देती है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार । RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415